हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

www.inbcn.in

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, बुधवार, 27 नवंबर 2024 | अंक 45 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप स्वास्थ्य से परेशान हो ?

* सर्दी खासी सिनेमाईटिस * ॲलर्जिक राईनिटिस * क्रॉनिक ब्रॉन्काईटिस * इसिनोफिलीया * ब्रॉनकियल बॉनकाईटस * कॉरपुलमोनेल (कार्डियल) पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

सुको ने की बैलेट पेपर वाली याचिका खारिज

> कोर्ट ने कहा 'हारे तो ईवीएम खराब और जीते तो चुप्पी'
> सियासी दलों को दिया कड़ा संदेश
> याचिकाकर्ता को लगाई जमकर फटकार

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें याचिकाकर्ता ने अर्जी दाखिल कर कहा था कि देश में वोटिंग बैलेट के जरिये कराए जाने का निर्देश दिया जाए। याचिकाकर्ता डॉक्टर केए पॉल ने पीआईएल दाखिल कर कहा था कि चुनाव आयोग को यह भी निर्देश दिया जाए कि वह उन कैंडिडेंट्स को अयोग्य घोषित करे जिसे चुनाव के दौरान शराब बांटने और अन्य प्रलोभन देने का दोषी पाया जाता है। याचिका में बैलेट से मतदान कराए जाने के अलावा कई अन्य दिशा-निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में याचिका खारिज करते हुए कहा कि अगर आप चुनाव जीतते हैं तो ईवीएम सही रहती है। हारने पर ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया जाता है।

अदालत ने कहा कि मामले में याचिकाकर्ता कोई पॉलिटिकल पार्टी नहीं था। जस्टिस विक्रम नाथ ने जनहित याचिका खारिज करते समय तीखी टिप्पणी की और कहा कि जब आप चुनाव जीतते हैं, तो ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं होती। लेकिन जब आप हारते हैं, तो ईवीएम में छेड़छाड़ का आरोप लगाया जाता है। जब चंद्रबाबू नायडू हारे, तो उन्होंने कहा कि ईवीएम में गड़बड़ी हो सकती है। अब इस बार जब जगन मोहन रेड्डी हारे, तो उन्होंने भी यही कहा कि ईवीएम में छेड़छाड़ की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि आपने पहले भी पीआईएल दाखिल की है आपको कहां से यह आइडिया आता है।

याचिकाकर्ता ने कहा कि वह लॉस एंजिल्स से ग्लोबल पीस समिट से लौटे हैं। इस पीआईएल में मुझे 180 रिटायर आईपीएस और आईएएस और रिटायर जजों का समर्थन मिला है। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह एक ऐसे संगठन के अध्यक्ष हैं जिसने तीन लाख से अधिक अनाथों और 40 लाख विधवाओं को बचाया है।

155 देशों में बैलट पेपर से वोटिंग: याचिकाकर्ता

याचिकाकर्ता ने कहा कि यह पीआईएल पॉलिटिकल नहीं है। देखा जाए तो दुनियाभर के 155 देशों में बैलेट पेपर से वोटिंग होती है। सभी लोकतांत्रित देशों में बैलेट पेपर से वोटिंग होती है। याचिकाकर्ता ने कहा कि मंगलवार 26 नवंबर को संविधान दिवस है और ईवीएम से वोटिंग के कारण समानता, विचार अभिव्यक्ति और जीवन के अधिकार का उल्लंघन हो रहा है।

एलन मस्क का किया जिक्र

याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि उनकी इस याचिका को 18 से ज्यादा राजनीतिक दलों का समर्थन है। साथ ही टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और आंध्र प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू भी कह चुके है कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ हो सकती है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री जगन मोहन रेड्डी ने भी कहा है कि ईवीएम से छेड़छाड़ हो सकती है।

खबरें! एक नजर में!!

पीएम मोदी से मिले जेएमएम नेता हेमंत सोरेन

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव 2024 में मिली जीत के बाद जेएमएम नेता हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ दिल्ली दौरे पर हैं। आज उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी को अबुआ सरकार शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इससे पहले हेमंत और कल्पना सोरेन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आमंत्रित करने संसद भवन पहुंचे थे।

रश्मि शुक्ला फिर बनीं महाराष्ट्र की डीजीपी

मुंबई। आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को एक बार फिर महाराष्ट्र का पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है. इससे पहले बीते 4 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने उनका तबादला कर दिया था। यह घटनाक्रम चुनाव आयोग द्वारा महाराष्ट्र डीजीपी के पद से रश्मि शुक्ला को तत्काल ट्रांसफर करने के आदेश के कुछ दिनों बाद हुआ है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर अस्पताल में भर्ती

चेन्नई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास को चेन्नई के एक कॉर्पोरेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत फिलहाल स्तर है। अपोलो हॉस्पिटल के डॉक्टर्स उनकी निगरानी कर रहे हैं। डॉक्टर्स ने बताया कि देर रात उन्हें सीने में जलन और दर्द के बाद अस्पताल लाया गया था। उन्हें तुरंत भर्ती करके जांच और इलाज शुरू किया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

सड़क किनारे सो रहे पांच को लॉरी ने कुचला

नई दिल्ली। केरल में पलक्कड़-कोझिकोड राष्ट्रीय राजमार्ग पर अय्यप्पनकावु के पास एक कार और लॉरी के बीच टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा सोमवार देर रात हुआ। पलक्कड़ से आ रही कार की विपरीत दिशा से आ रही एक लॉरी से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कार लॉरी में फंस गई थी। पुलिस ने बताया कि कार में सवार पांच लोगों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई।

छात्र संघ चुनाव के दौरान भड़की हिंसा

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में छात्रसंघ चुनाव के दौरान हिंसा भड़क उठी। इस हिंसा में कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। हिंसा के दौरान कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। वहीं पहाड़ी इलाकों में भी गोलीबारी की आवाजें सुनाई दी। एएनएसयू चुनाव के लिए मतगणना हो रही थी। इस दौरान ही दो गुटों में विवाद हो गया और ये विवाद मारपीट में बदल गया।

बादशाह भी लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर!

नई दिल्ली। रैपर बादशाह के नाइट क्लब के बाहर धमाकों में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ होने की बात सामने आई है। इसके अलावा कुछ दिन पहले सलमान के घर के बाहर फायरिंग मामले में भी उसका नाम आया था। वहीं, पूर्व विधायक बाबा सिद्दिकी मर्डर केस में भी लॉरेंस बिश्नोई का ही हाथ होने की बात कही जा रही है।

दो बड़े धमाके से दहला चंडीगढ़

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित क्लब के पास मंगलवार सुबह दो जोरदार धमाके हुए जिससे पूरा इलाका दहल गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस सहित अन्य जांच टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-26 स्थित डेयोरा क्लब के बाहर बाइक पर आए दो युवक विस्फोट करके मौके से फरार हो गए हैं। धमाके से क्लब के सभी शीशे चटक गए। यह बम है या अन्य कोई विस्फोटक पदार्थ था, इस बारे में अभी कुछ स्पष्ट नहीं है। पुलिस सहित फोरेंसिक एक्सपर्ट व अन्य जांच एजेंसियां भी मौके पर पहुंच गई हैं और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस पूरे इलाके को चारों ओर से घेर लिया है। चंडीगढ़ के सेक्टर-10 की कोठी नंबर-575 में 11 सितंबर को ऑटो सवार दो युवकों ने हैंड ग्रेनेड बम से हमला किया था।

तय नहीं हो पा रहा सीएम का नाम

अब ऑब्ज भेजेगी बीजेपी

नई दिल्ली/मुंबई।

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की अगुवाई वाले महायुति को प्रचंड बहुमत तो मिल गया. बीजेपी की सुनामी भी आई, लेकिन नतीजे आने के 3 दिन बाद भी मुख्यमंत्री का नाम फाइनल नहीं हो पा रहा है। बीजेपी को चुनाव में 132 सीटें मिली हैं. शिवसेना (शिंदे गुट) ने 57 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि एनसीपी (अजित पवार गुट) ने 41 सीटों पर कब्जा किया है. माना जा रहा है कि सबसे ज्यादा सीटें पाने के नाते बीजेपी से ही कोई मुख्यमंत्री बनेगा।

सीएम के लिए देवेंद्र फडणवीस की सबसे मजबूत दावेदारी मानी जा रही है, लेकिन शायद एकनाथ शिंदे को ये मंजूर नहीं है। लिहाजा महायुति की ओर से मुख्यमंत्री के नाम पर फाइनल मुहर नहीं लग पाई है। अब सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी जल्द ही ऑब्जर्वरों को मुंबई भेजेगी. अगले दोन दिन में ऑब्जर्वरों का नाम फाइनल किया जाएगा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रचंड जनादेश को देखते हुए वरिष्ठ मंत्री और पार्टी नेताओं को ऑब्जर्वर बनाया जाएगा, ताकि बड़ा राजनीतिक संदेश दिया जा सके। इसके बाद ऑब्जर्वरों की मौजूदगी में मुंबई में बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें विधायकों से चर्चा कर नेता का चयन होगा।

बीजेपी के विधायक दल की बैठक से पहले ही बीजेपी सहयोगी दलों के शीर्ष नेताओं से चर्चा करके मुख्यमंत्री किस दल का होगा, ये तय कर लिया जाएगा। सूत्रों का दावा है कि मुख्यमंत्री किस पार्टी का हो, इसे लेकर कोई विवाद नहीं होगा। सूत्रों के मुताबिक, प्रचंड जीत के बाद बीजेपी कार्यकर्ता चाहते हैं कि महाराष्ट्र में बीजेपी से ही मुख्यमंत्री बने।

शिंदे ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

उधर, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कल मंगलवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात कर उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया. इस दौरान डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी मौजूद थे। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर तक ही है। नए मुख्यमंत्री के शपथ की तारीख तय नहीं है. लिहाजा तब तक शिंदे ही कार्यवाहक सीएम रहेंगे। शिंदे ने 28 जून 2022 के सीएम पद की शपथ ली थी।

रास की छह रिक्त सीटों के लिए होगा उपचुनाव

> अधिसूचना जारी, 20 दिसंबर को होंगे चुनाव

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा की छह खाली सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। 20 दिसंबर को चुनाव होंगे। उसी दिन नतीजे भी घोषित किए जाएंगे। आंध्र प्रदेश की तीन, ओडिशा, हरियाणा और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट पर चुनाव होंगे। 10 दिसंबर नामाकंन की आखिरी तारीख है। 11 दिसंबर को नामांकन पत्र की जांच होगी। 13 दिसंबर तक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकते हैं। 20 दिसंबर को सुबह नौ से शाम चार बजे तक वोटिंग होगी। उसी दिन शाम पांच बजे से मतों की गणना होगी। हरियाणा और महाराष्ट्र में मिली करारी हार के बाद राज्यसभा चुनाव में भी विपक्षी की बड़ी परीक्षा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में विपक्ष गठबंधन को भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के सामने करारी हार का सामना करना पड़ा है। बता दे कि अगस्त में वाईएसआरसीपी के सदस्य वेंकटरमण राव मोपीदेवी, बीधा मस्तान राव यादव और रयागा कृष्णैया ने अपनी सदस्यता छोड़ दी थी। इसके बाद से ही आंध्र प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटें खाली हैं। बीधा मस्तान राव यादव और रयागा कृष्णैया का राज्यसभा सदस्य के तौर पर कार्यकाल 21 जून 2028 को समाप्त होना था। वहीं मोपीदेवी का कार्यकाल 21 जून 2026 तक था। सुजीत कुमार के इस्तीफे के बाद ओडिशा में राज्यसभा की एक सीट खाली हुई। सुजीत कुमार का कार्यकाल 2 अप्रैल 2026 तक था। हालांकि इस्तीफे के बाद बीजू जनता दल ने उन्हें पार्टी से भी निकाल दिया। इसी साल अगस्त महीने में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। इसके बाद टीएमसी नेता जवाहर सरकार ने राज्यसभा से अपना इस्तीफा दे दिया था। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा नेता कृष्ण लाल पंवार ने जीत दर्ज करने के बाद राज्यसभा की सदस्यता छोड़ दी। अब हरियाणा की इस खाली सीट पर उपचुनाव होगा।

मणिपुर हिंसा पर एक्शन में सरकार

नई दिल्ली। मणिपुर में हालिया हिंसा के गंभीर मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुरू कर दी है. केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) के निर्देश पर यह कार्रवाई की जा रही है। एनआईए ने 13 नवंबर 2024 को तीन मामलों को फिर से रजिस्टर किया और उनकी जांच शुरू कर दी। ये मामले मणिपुर में हिंसा के दौरान हुए हत्याकांड, अपहरण और बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों से जुड़े हैं। गृह मंत्रालय ने इन मामलों को एनआईए को सौंपते हुए इनकी गंभीरता से जांच करने का निर्देश दिया है। एनआईए की टीमें 21-22 नवंबर को घटनास्थलों का दौरा कर जांच शुरू कर चुकी हैं। स्थानीय पुलिस से दस्तावेज और सबूत जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।
जांच एजेंसी हिंसा के इन मामलों में शामिल आरोपियों को जल्द से जल्द कानून के दायरे में लाने के लिए ठोस कदम उठा रही है। मणिपुर में हिंसा के पीछे की साजिश पर्दाफाश करने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के लिए यह काफी जरूरी कदम माना जा रहा है। इस बीच नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने यह दावा करते हुए हिंसा प्रभावित मणिपुर की भाजपा नीत सरकार से समर्थन वापस ले लिया कि एन बीरेन सिंह शासन इस पूर्वोत्तर राज्य में संकट का समाधान करने और सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह से नाकाम रहा है। मणिपुर की 60 सदस्यीय विधानसभा में एनपीपी के सात विधायक हैं और समर्थन वापसी से सरकार के स्थायित्व पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि भाजपा के पास अपने 32 विधायकों के साथ सदन में पूर्ण बहुमत है। भाजपा को नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के पांच और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के छह विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है।

पेंड्रा में मालगाड़ी के 23 डिब्बे डिरेल

इंजन सहित पटरी से उतरकर पलटे

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में मंगलवार को कोयला लोड मालगाड़ी डिरेल हो गई. इंजन सहित 23 डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए. मालगाड़ी बिलासपुर की ओर जा रही थी, तभी भनवारटंक रेलवे स्टेशन के पास हादसा हो गया. जानकारी के अनुसार सुबह 11:11 बजे भंनवारटोंक रेलवे स्टेशन के पास मरही माता मंदिर सिग्नल के पास ये हादसा हुआ। जिस जगह यह हादसा हुआ वहां घना जंगल है।
वहीं अब इस रूट पर दोनों लाइनों पर ट्रेनें का परिचालन पूरी तरह से बंद हो गया है। हादसे के तुरंत बाद रेलवे के कर्मचारी और अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। राहत कार्य शुरू है. मालगाड़ी के डिब्बे पलटने से ट्रैक पर कोयले का ढेर लग गया है, जिससे इस रूट से गुजरने वाली 6 ट्रेनों को रद्द किया गया है। वहीं अमरकंटक एक्सप्रेस सहित 9 का रूट डायवर्ट किया गया है। हादसे में अप और डाउन दोनों लाइन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई हैं. रूट पर यातायात बहाल होने में 2 से अधिक दिन लग सकते हैं। हादसे में ओएचई तार और सिग्नल के खंभे भी क्षतिग्रस्त हुए हैं. हादसे में रेलवे को करोड़ों के नुकसान की आशंका है। अप और डाउन दोनों रूट पर आवागमन पूरी तरह से प्रभावित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे की आवाज सुनकर वे मौके पर पहुंचे।

संभल घटना को लेकर सुको पहुंची जमीयत

मौलाना मदनी बोले- नफरत अब गोलियों तक पहुंच गई

नई दिल्ली। संभल जैसी घटना को रोकने के लिए जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि संभल अराजकता, अन्याय, क्रूरता और दरिंदगी की जीती जागती तस्वीर है। देश में सालों से फैली नफरत अब गोलियों तक पहुंच गई है। पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए कानून का पालन न करने से देश की शांति बिगड़ रही है। इन घटनाओं को रोका जाना चाहिए. पूजा स्थल अधिनियम-1991 के बावजूद निचली अदालतें मुस्लिम पूजा स्थलों का सर्वेक्षण करने के आदेश जारी कर रही हैं, जो कि कानून का उल्लंघन है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने पूजा स्थलों की सुरक्षा के कानून की सुरक्षा और उसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर पिछले एक साल से कोई सुनवाई नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने केंद्र सरकार को हलफनामा दाखिल करने के लिए कई बार मोहलत दी थी लेकिन मामले की सुनवाई नहीं हो सकी थी।

अब संभल की घटना के बाद जमीयत ने इस मामले की अपील सर्वोच्च न्यायालय में की है। इसमें जल्द से जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया है. एड.एजाज मकबूल ने सर्वोच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर इस मामले को भारत के मुख्य न्यायाधीश के सामने पेश करने का अनुरोध किया है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि जमीयत सम्भल में पुलिस फायरिंग और बर्बरता का शिकार हुए लोगों के साथ में खड़ी है। पुलिस की बर्बरता का एक लंबा इतिहास है, चाहे वह मलियाना हो या हाशिमपुरा, मुरादाबाद, हलद्वानी या सम्भल, हर जगह पुलिस का एक ही चेहरा देखने को मिलता है। हालांकि, पुलिस का काम कानून और व्यवस्था बनाए रखना और लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करना है. दुर्भाग्य से पुलिस शांति की वकालत करने के बजाय अल्पसंख्यकों और विशेषकर मुसलमानों के साथ एक पार्टी की तरह व्यवहार करती है।

धर्म के आधार पर भेदभाव न हो

मदनी ने कहा कि यह याद रखना चाहिए कि न्याय का दोहरा मापदंड अशांति और विनाश का रास्ता खोलता है। इसलिए कानून का मानक सभी के लिए समान होना चाहिए। किसी भी नागरिक के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए. इसकी इजाजत ना तो देश का संविधान देता है और ना ही कानून।

अब 'शुक्रयान' की बारी...

मोदी सरकार ने इसरो को दी मंजूरी

नई दिल्ली।

अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के निदेशक नीलेश देसाई ने कहा कि इसरो को शुक्र की परिक्रमा करने वाले उपग्रह शुक्रयान के लिए भारत सरकार से मंजूरी मिल गई है। निदेशक ने मीडिया से बात करते हुए कहा, भारत सरकार ने हाल ही में हमारे शुक्र की परिक्रमा करने वाले उपग्रह शुक्रयान को मंजूरी दी है... इसे 2028 में लॉन्च किया जाएगा..चंद्रयान 4 का विचार चंद्रयान 3 के अनुवर्ती के रूप में प्रस्तावित किया गया है, जहां हम न केवल चंद्रमा पर उतरेंगे बल्कि मिट्टी और चट्टान के नमूने भी लेकर लौटेंगे"। चंद्रयान 4 के मिशन के बारे में बात करते हुए देसाई ने कहा कि भारत और जापान एक संयुक्त मिशन का संचालन करेंगे। उन्होंने कहा, चंद्रयान 4 में दो मिशन शामिल होंगे.. भारत और जापान एक संयुक्त मिशन करेंगे, जिसमें चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की नोक पर 90 डिग्री दक्षिण की ओर उतरेंगे, जबकि हमारा पिछला प्रयास 69.3 डिग्री दक्षिण की ओर था। यह एक सटीक लैंडिंग होगी। हमें मिशन के लिए अभी तक सरकार की मंजूरी नहीं मिली है.. मिशन के हिस्से के रूप में रोवर का वजन 350 किलोग्राम होगा, जो पिछले रोवर से 12 गुना भारी है। अगर हमें सरकार की मंजूरी मिल जाती है, तो हम 2030 तक मिशन को अंजाम दे पाएंगे। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सेंसर और उपग्रहों पर चर्चा चल रही है, जिन्हें इनसैट 4 श्रृंखला के हिस्से के रूप में लॉन्च किया जाएगा। देसाई ने कहा, हम नए सेंसर और उपग्रहों पर चर्चा कर रहे हैं, जिन्हें इनसैट 4 श्रृंखला के भाग के रूप में लॉन्च किया जाएगा। दुनिया हमसे एक पीढ़ी आगे है, और हम इन नए सेंसर के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम होंगे।
हम नए मौसम विज्ञान और समुद्र विज्ञान सेंसर के साथ और भी बेहतर पूर्वानुमान प्रदान करने में सक्षम होंगे। निदेशक ने यह भी कहा कि मंगल मिशन के भाग के रूप में, मंगल की सतह पर उतरने का प्रयास किया जाएगा।

भारत बना रहा अपना अंतरिक्ष स्टेशन

देसाई ने कहा, मंगल मिशन के तहत हम न केवल मंगल की कक्षा में उपग्रह स्थापित करेंगे, बल्कि इसकी सतह पर उतरने का भी प्रयास करेंगे। अगले दो वर्षों में गगनयान लॉन्च किया जाएगा। यह मानव रहित उड़ान होगी, जिसके बाद हम मानवयुक्त उड़ान लॉन्च करेंगे। सरकार ने भारत के अपने अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। यह आईएसएस जितना बड़ा नहीं होगा, लेकिन इसमें पाँच मॉड्यूल होंगे।

संविधान अब संस्कृत और मैथिली में भी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 26 नवंबर 2024 को संविधान दिवस के मौके पर मैथिली और संस्कृत भाषा में अनुवादित भारतीय संविधान की प्रतियां जारी कीं। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर एक विशेष डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया गया। यह मैथिली भाषा के लिए एक बड़ा कदम है, जिसे 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया था। संविधान दिवस के मौके पर आयोजित एक भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मैथिली और संस्कृत भाषा में संविधान की प्रतियों का विमोचन किया। यह कार्यक्रम संविधान निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, लोकसभा और राज्यसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बने। मैथिली भाषा में संविधान का अनुवाद एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

डाकघर की बचत योजनाओं पर मिलेगा ब्याज

> बुजुर्ग-महिलाओं और बच्चियों के नाम से करें निवेश

नई दिल्ली.

देश में सरकार, बैंक और कई वित्तीय संस्थानों की ओर से कई प्रकार की बचत योजनाएं निकाली गई हैं, जिसके जरिए आप थोड़े से लेकर अधिक अमाउंट तक महीने या सालाना के हिसाब से बचत योजना का लाभ ले सकते हैं. लेकिन आपको ये भी पता होना चाहिए कि कौन सी बचत योजना पर आपको कितना ब्याज मिल रहा है.

यहां कुछ ऐसी डाकघर स्कीम के बारे में जानकारी दी गई है जिसमें आप डिपॉजिट कर अधिक ब्याज पा सकते हैं. यहां पर अलग-अलग लोग और वर्ग के लिए अलग-अलग बचत स्कीम के बारे में जानकारी दी गई है. स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स में बच्चियों के लिए सुकन्या समृद्धि योजना, महिला निवेशकों के लिए महिला सम्मान, वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम, लॉन्ग टर्म

निवेशकों के लिए पब्लिक प्रोविडेंट फंड, किसान विकास पत्र, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट और शॉर्ट टर्म निवेशकों के लिए टाइम डिपॉजिट, रिक्योरिंग डिपॉजिट जैसी सेविंग्स स्कीम्स है.

सरकार तिमाही आधार पर छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा करती है. वित्त मंत्रालय ने इस साल सितंबर महीने में जारी एक प्रेस रिलीज में कहा था, वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही यानी 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2024 के लिए कई स्माल बचत योजनाओं पर ब्याज दरें वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर महीने के बीच) के दरों के बराबर ही होंगी. मौजूदा तिमाही के लिए सरकार ने लघु बचत योजनाओं की ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया है.

सुकन्या समृद्धि योजना पर कितना मिलेगा ब्याज?

सुकन्या समृद्धि योजना बच्चियों के माता-पिता के लिए सरकार की एक बचत योजना है. इस योजना में जमा राशि इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 80 सी के तहत काटी जाती है. आयकर अधिनियम के तहत जो ब्याज मिलता है उस पर कोई कर नहीं लगाया जाता है यानि इस पर ब्याज कर-मुक्त है. सुकन्या समृद्धि खाता को बच्ची के माता-पिता उसके वयस्क होने यानी 18 वर्ष तक ही चला सकते हैं. सुकन्या समृद्धि योजना पर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए 8.2 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है.

हिंदुस्तान पेंसिल्स लाया है गरीब बच्चों के लिए खुशियों की सौगात

नई दिल्ली..

बाल दिवस के मौके पर, भारत के स्टेशनरी उद्योग में प्रमुख, हिंदुस्तान पेंसिल्स, ने एक पहल की शुरुआत की और इस पहल से पूरे भारत के 10,000 से अधिक गरीब बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इस महत्वपूर्ण कैंपेन के माध्यम से, इस कंपनी ने शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने और युवाओं के उत्थान के लिए उन्हें आवश्यक स्टेशनरी प्रदान करने के साथ ही आकर्षक गतिविधियां भी आयोजित की।

शिक्षा में सहायता करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए हिंदुस्तान पेंसिल्स की प्रतिबद्धता इस पहल का मुख्य भाग है। हिंदुस्तान पेंसिल्स के अध्यक्ष, श्री प्रदीप उघाड़े ने कहा, "हमारा मानना है कि हर बच्चे को बड़े सपने देखने का मौका मिलना चाहिए, चाहे परिस्थिति कैसी भी हो।" "इन बच्चों को शिक्षा का सामान उपलब्ध कराके और इनसे जुड़कर, हमें उम्मीद है कि हम इनका सामर्थ्य और आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं।

इन बच्चों के उत्साह से हमें प्रेरणा मिलती है और इनकी मदद करने की हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत हो जाती है। इस पहल के एक हिस्से के रूप में, इस कंपनी की टीम ने बच्चों को एक मजेदार और प्रभावशाली अनुभव देने के उद्देश्य से इंटरैक्टिव सेशन, क्रिएटिव वर्कशॉप और खेलों की व्यवस्था की। स्थानीय स्कूलों और सामुदायिक संगठनों के साथ सहयोग करके, हिंदुस्तान पेंसिल्स ने यह सुनिश्चित किया कि यह पहल जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे और पूरे भारत में लोगों के साथ मजबूत रिश्ते बनाने को बढ़ावा दे।

बाल दिवस पर अपने इस प्रयास के साथ, हिंदुस्तान पेंसिल्स उम्मीद करता है कि युवाओं के अंदर उम्मीद जागे और उनमें सफलता प्राप्त करने की इच्छा उत्पन्न हो। कंपनी उन सभी भागीदारों, स्वयंसेवकों, और समर्थकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करती है जिनके योगदान की वजह से कंपनी अपने इस दृष्टिकोण को सच कर पायी। हिंदुस्तान पेंसिलस बच्चों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाने के अपने लक्ष्य पर अटल है और भविष्य में इन प्रयासों को बढ़ाने के लिए तैयार है। प्राइमरी स्कूल की स्टेशनरी बनाने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी है। उनके ब्रांड अप्सरा और नटराज ऐसे नाम हैं, जो लोगों के बीच मशहूर हैं। 1958 में बनी कंपनी, हिंदुस्तान पेंसिल्स, अच्छी क्वालिटी के स्टेशनरी प्रोडक्ट बनाने में माहिर है। नई मशीनरी सेटअप के साथ, आज उनकी आधुनिक तकनीक वाली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स प्रतिदिन 8.5 मिलियन पेंसिल, 1.7 मिलियन शार्पनर, 2.7 मिलियन रबर, 0.2 मिलियन स्केल और 1 मिलियन पेन बनाती हैं। वे बेहतरीन क्वालिटी के प्रोडक्ट बनाने में विश्वास करते हैं।

टैक्सपेयर्स को जारी किया जाएगा नया पैन कार्ड

नई दिल्ली. टैक्सपेयर्स की पहचान के लिए जारी किया जाने वाला पैन कार्ड अब क्यूआर कोड के साथ जारी किया जाएगा जिससे टैक्सपेयर्स के डिजिटल अनुभव को बढ़ाया जा सके. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति ने पैन 2.0 प्रोजेक्ट को शुरू करने पर अपनी मुहर लगा दी है. सरकार के इस फैसले का मकसद सरकारी एजेसियों की सभी डिजिटल प्रणानियों में पैन को मुख्य पहचनाकर्ता के तौर पर इस्तेमाल करना है. इस प्रोजेक्ट पर सरकार कुल 1435 करोड़ रुपये खर्च करेगी. पैन 2.0 प्रोजेक्ट के जरिए टैक्सपेयर्स के रजिस्ट्रेशन सर्विसेज में टेक्नोलॉजी के माध्यम से बड़ा बदलाव लाने में मदद मिलेगी. टैक्सपेयर्स को कई प्रकार के बेनेफिट मिलेंगे. जिसमें वे आसानी से सर्विसेज का एक्सेस कर पायेंगे, सर्विसेज की डिलिवरी में तेजी लाई जा सकेगी, क्वालिटी में सुधार होगा, एक ही जगह सभी जानकारियां उपलब्ध होंगी, डेटा सुरक्षित रहेगा, इको-फ्रेंडली प्रोसेस के साथ लागत घटाने में मदद मिलेगी. पैन को सरकारी एजेंसियों के डिजिटल सिस्टम के लिए कॉमन आइडेंटिफायर के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा जो सरकार के डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण से भी मेल खाता है. सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पैन 2.0 प्रोजेक्ट में टैक्सपेयर्स को क्यूआर कोड के साथ वाला नया पैन कार्ड मुफ्त जारी किया जाएगा.

एएससीआई की अर्ध-वार्षिक शिकायत रिपोर्ट से खुलासा

>प्रमुख सरकारी साझेदारियों के कारण प्रभाव बढ़ा

मुंबई.

ऐड्वर्टाइज़िंग स्टैंडर्ड्स कौंसिल ऑफ़ इंडिया (एएससीआई) ने अपनी अर्ध-वार्षिक शिकायत रिपोर्ट 2024-25 जारी की है। रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि रियल एस्टेट और ऑफशोर बेटिंग के क्षेत्र में भ्रामक और अवैध विज्ञापनों की महत्वपूर्ण मौजूदगी है।

एएससीआई ने अप्रैल और सितंबर 2024 के बीच 4016 शिकायतों की समीक्षा और 3031 विज्ञापनों की जांच की। इन समीक्षा विज्ञापनों में से 98% विज्ञापनों में कुछ संशोधन की आवश्यकता पाई गई। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर एएससीआई की निरंतर निगरानी में कुल विज्ञापनों के 93%, यानी 2830 विज्ञापनों पर कार्रवाई की गई।

जिन विज्ञापनों की जाँच की गई, उनमें से 2087 विज्ञापनों में कानून का उल्लंघन पाया गया, जिनमें से 1027 विज्ञापनों के बारे में एएससीआई और महारेरा के संपन्न समझौता ज्ञापन के तहत महाराष्ट्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (महारेरा) को रिपोर्ट किया गया। अवैध सट्टेबाजी को बढ़ावा देने वाले 890 विज्ञापनों की जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) को दी गई। वहीं, 156 विज्ञापनों को ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (डीएमआर) एक् ट के उल्लंघन के कारण आयुष मंत्रालय को भेजा गया, शराब को सीधे बढ़ावा देने वाले 10 विज्ञापनों और डीपफेक से संबंधित चार अन्य विज्ञापनों को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पास भेजा गया। औपचारिक रूप से जाँचे गए मामलों में बाकी बचे 944 विज्ञापनों में से 53% पर विज्ञापनकर्ताओं द्वारा ईएससीआई से शिकायत की सूचना मिलने पद कोई प्रतिवाद नहीं किया गया। और तकनीक-समर्थित प्रयास भारत के उपभोक्ताओं को बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के लिए विकसित हो रहे हैं। विज्ञापनदाताओं के लिए, ये निष्कर्ष अनुपालन और पारदर्शिता को प्राथमिकता देने के लिए कार्रवाई करने का आह्वान करते हैं। उपभोक्ताओं के लिए, यह रिपोर्ट आपत्तिजनक विज्ञापन से लड़ने के लिए एक विश्वसनीय तंत्र प्रदान करने में एएससीआई की भूमिका को रेखांकित करती है।

सीआईएएल एचआर ने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया

मुंबई.

सीआईईएल एचआर सर्विसेज लिमिटेड भारत की एकमात्र कंपनी है जो कर्मचारी जीवनचक्र के हर हिस्से को प्रभावित करने वाली संपूर्ण मानव संसाधन श्रृंखला में प्रौद्योगिकी-संचालित मानव संसाधन समाधानों का एक व्यापक सूट प्रदान करती है।

आईपीओ में 335 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू और विक्रय शेयरधारकों द्वारा 4,739,336 इक्विटी शेयरों ('प्रस्तावित शेयर') की बिक्री के लिए एक प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है, जिसका अंकित मूल्य ₹ प्रत्येक इक्विटी शेयर है.सीआईईएल एचआर को पंडियाराजन करुप्पासामी (सीआईईएल एचआर ग्रुप के अध्यक्ष और कार्यकारी निदेशक) प्रमोट करते हैं। प्रवर्तक अध्यक्ष पंडियाराजन करुप्पासामी और प्रवर्तक निदेशक हेमलता राजन मा फोई मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ("पूर्ववर्ती मा फोई") के मूल प्रवर्तक थे, यह एक एचआर कंपनी थी जिसे बाद में एक वैश्विक स्टाफिंग कंपनी द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया। 4,739,336 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री के प्रस्ताव में पंडियाराजन करुप्पासामी द्वारा कुल 2,544,181 इक्विटी शेयर शामिल हैं; हेमलता राजन द्वारा 629,357 इक्विटी शेयर तक; आदित्य नारायण मिश्रा द्वारा 629,357 इक्विटी शेयर तक; संतोष कुमार नायर द्वारा 594,540 सीआईईएल एचआर सर्विसेज लिमिटेड ने सहायक कंपनियों में अतिरिक्त शेयरधारिता के अधिग्रहण, सहायक कंपनियों में निवेश, कंपनी की वृद्धिशील कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के वित्तपोषण और अज्ञात अकार्बनिक अधिग्रहण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए शुद्ध आय का उपयोग करने का प्रस्ताव किया है।

सोलर कंपनी को मिला 1100 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली.

हाल ही में लिस्टिड सोलर कंपनी प्रीमियर एनर्जी के शेयर में मंगलवार, 26 नवंबर को अच्छी देखने को मिली. बीएसई पर कंपनी के शेयर बीएसई पर 4 फीसदी बढ़कर 1,136 रुपए पर आ गए. जानकारी के अनुसार कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को अपनी फाइलिंग में कहा था कि उसकी सहायक कंपनियों, प्रीमियर एनर्जी ग्लोबल एनवायरनमेंट, प्रीमियर एनर्जीज इंटरनेशनल और प्रीमियर एनर्जीज फोटोवोल्टिक को दो बड़ी इंडीपेंडेंट पॉवर प्रोड्यूसर्स और दूसरी कंपनियों से कुल मिलाकर 1,087 करोड़ रुपए के कई ऑर्डर मिले हैं. इन ऑर्डर्स में सोलर मॉड्यूल के लिए 964 करोड़ रुपए और सोलर सेल्स के लिए 123 करोड़ रुपए शामिल हैं. इन मॉड्यूल की सप्लाई जनवरी 2025 में शुरू होने वाली है. सितंबर में, सोलर सेल और मॉड्यूल मेकर प्रीमियर एनर्जी के शेयरों को 450 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 120 फीसदी से अधिक के प्रीमियम के साथ लिस्ट किया गया था. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मंगलवार को कंपनी के शेयरों में कितनी तेजी देखने को मिली है.

बीएसई के आंकड़ों के अनुसार सुबह जब बाजार खुला तो प्रीमियर एनर्जीज के शेयर में तेजी देखने को मिली. कंपनी का शेयर कारोबारी सत्र के दौरान 4 फीसदी की तेजी के साथ 1136 रुपए के साथ दिन के हाई पर पहुंच गया. वैसे कंपनी का शेयर सोमवार के 1092.20 रुपए के क्लोजिंग प्राइस के मुकाबले 1134.60 रुपए के तेज के नोट के साथ ओपन हुआ. मौजूदा समय यानी 1 बजकर 20 मिनट पर कंपनी का शेयर करीब एक फीसदी की तेजी के साथ 1102.35 रुपए पर कारोबार कर रहा है. वैसे कंपनी का मार्केट कैप 49,691.11 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है. खास बात तो ये है कि निवेशकों को इस शेयर से इश्यू प्राइस से काफी फायदा हो चुका है. कंपनी का इश्यू प्राइस 450 रुपए था. बीएसई पर कंपनी के शेयरों ने निवेशकों को 152 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है. प्रीमियर एनर्जीज के आईपीओ को सब्सक्रिप्शन के आखिरी दिन 74.09 गुना सब्सक्राइब किया गया था. 2,830 करोड़ के आईपीओ में 1,291.4 करोड़ रुपए के फ्रेश इश्यू और 3,42,00,000 इक्विटी शेयरों का ओएफएस शामिल था. आईपीओ का प्राइस बैंड 427-450 रुपए प्रति शेयर रखा गया था.

आईपीओ की लिस्टिंग डेट टली

नई दिल्ली. सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के आईपीओ को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है. इनीशियल पब्लिक ऑफर की लिस्टिंग को टाल दिया है. सेबी ने कहा है कि जब तक कंपनी उसकी 2 शर्तों को पूरा नहीं करती, तब तक इसकी लिस्टिंग नहीं हो सकती. सेबी की पहली शर्त है कि कंपनी अपने बोर्ड में एक इंडिपेंडेंट डायरेक्टर नियुक्त करे और दूसरी शर्त यह है कंपनी सेबी के निर्देशों पर अपने शेयरों की लिस्टिंग स्थगित कर रही है. वहीं, एनडीटीवी प्रॉफिट की एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसने अपने वित्तीय खातों की जांच के लिए एक ऑडिटर नियुक्त कर दिया है, जिसकी रिपोर्ट दो से तीन दिनों में आ सकती है. हालांकि, एबीपी न्यूज स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि नहीं करता है. आपको बता दें, सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड आईपीओ की लिस्टिंग 29 नवंबर 2024 को होनी थी. आईपीओ में निवेशकों ने जमकर पैसा लगाया था. यही वजह है कि इसका जीएम प्रति शेयर 100 पर्सेंट से ज्यादा था. हालांकि, अब सेबी और एनएसई के निर्देश के बाद, सी2सी एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने एंकर निवेशकों सहित आईपीओ निवेशकों को अपनी बिड वापस लेने का विकल्प दिया है. आईपीओ को विड्रॉल करने की आखिरी तारीख 28 नवंबर दोपहर 3 बजे तक है. आईपीओ 99.07 करोड़ रुपये का था. इसमें 43.84 लाख शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल था. इस आईपीओ के लिए प्रति शेयर का प्राइस बैंड 214 से 226 रुपये तय किया गया था. कंपनी ने अपने इश्यू का आधा हिस्सा और 35 फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशकों के लिए और बाकी 15 फीसदी हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रखा था.

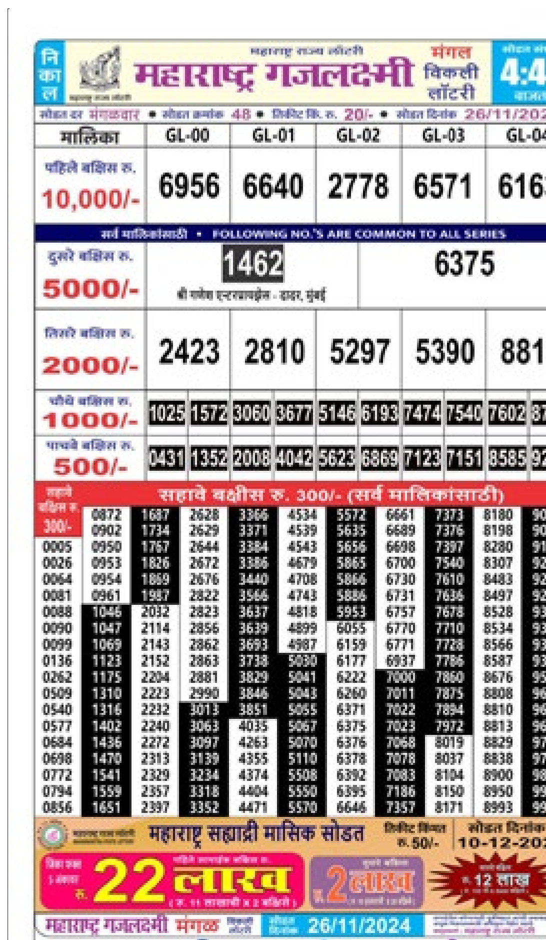

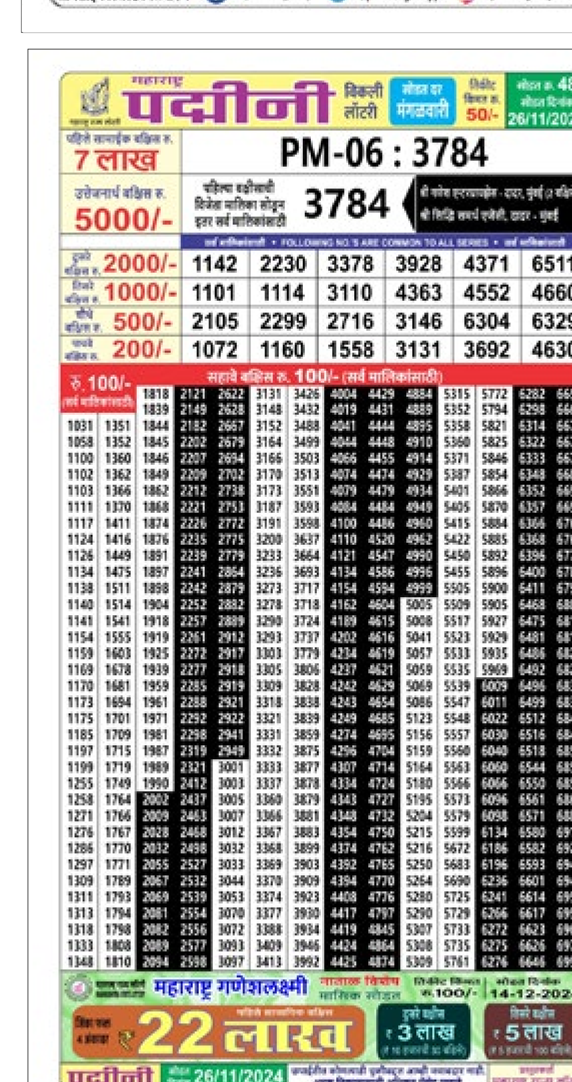

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लाँटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट प्रविण कडू : 9822472123

23 फीसदी कम हो गई एनपीए की रिकवरी

> सबसे ज्यादा फंसे हैं इन सरकारी बैंकों के लोन

नई दिल्ली.

बैंकों के कर्ज डूबने की समस्या बढ़ती ही जा रही है। सरकार के आंकड़े भी इस मामले में चिंताजनक तस्वीर बता रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष के दौरान नॉन परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) की रिकवरी में 23 फीसदी की गिरावट आई। 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में 1,23,299 करोड़ रुपये के एनपीए रिकवर किए गए। उससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 में 1,59,787 करोड़ रुपये की रिकवरी हुई थी।

एनपीए एक तरह से फंसे हुए कर्ज होते हैं। जिन कर्ज के मामलों में एक तय समय तक किस्तों का भुगतान नहीं आता है, तो उसे बैंक एनपीए में डाल देते हैं। आम तौर पर इसकी लिमिट 90 दिनों की होती है। यानी अगर कोई कर्जदार 90 दिनों तक कर्ज की किस्तें नहीं जमा करता है तो बैंक उस कर्ज को एनपीए में डाल देते हैं। एनपीए को सरल शब्दों में वैसा कर्ज भी कहा जा सकता है, जिनके बारे में बैंकों को भी रिकवरी की कम उम्मीद रहती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एनपीए और उसकी रिकवरी के आंकड़ों की जानकारी सोमवार को संसद में दी। 25 नवंबर से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार से एनपीए और उसकी रिकवरी को लेकर सवाल पूछे गए थे। वित्त मंत्री के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में भले ही एनपीए की रिकवरी में गिरावट आई, लेकिन उससे पहले लगातार दो वित्त वर्ष से रिकवरी में तेजी आ रही थी। वित्त वर्ष 2020-21 में एनपीए की रिकवरी का आंकड़ा 1,14,368 करोड़ रुपये और 2021-22 में 1,37,456 करोड़ रुपये रहा था। प्राइवेट सेक्टर के बैंक इस मामले में बेहतर स्थिति में है। प्राइवेट सेक्टर में सबसे ज्यादा एनपीए एचडीएफसी बैंक का है। उसके ग्रॉस एनपीए का आंकड़ा 31,057 करोड़ रुपये है। यह एमकैप के हिसाब से अब एसबीआई को पीछे छोड़ देश का सबसे बड़ा बैंक बन चुका है। दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट बैंक आईसीआईसीआई बैंक का ग्रॉस एनपीए 27,314 करोड़ रुपये है।

सीएम के ऐलान की भाजपा ने की तैयारी

तीनों दलों की बनाई जा सकती है एक कमेटी

मुंबई.

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे के बाद भाजपा विधायकों की मुंबई में बैठक बुलाई गई है। इसमें देवेंद्र फडणवीस को भाजपा विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इसके बाद सह्याद्रि गेस्ट हाउस में एकनाथ शिंदे, देवेन्द्र फडणवीस और अजित प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सरकार को लेकर फ्यूचर प्लान साझा कर सकते हैं। लेकिन भाजपा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे के बाद बदल रहे राजनीतिक घटनाक्रम को भांपना चाहती है।

राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि अमित शाह से हरी झंडी मिलने के बाद भाजपा हाईकमान की ओर से नए मुख्यमंत्री के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम लगभग फाइनल हो चुका है। आज किसी भी समय उनके नाम की आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

उसी के बाद वह राज्यपाल के पासा जाकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे.फडणवीस के सीएम बनने पर नई सरकार में पहले की ही तरह दो डिप्टी सीएम बनाने की योजना है। एनसीपी की ओर से अजित पवार और शिवसेना की ओर से शिंदे किसी नए विधायक का नाम आगे करके यह जिम्मेदारी सौंप सकते हैं।

सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक, नई सरकार का एजेंडा तय करने के लिए तीनों दलों की एक कमेटी बनाई जा सकती है, जिसके मुखिया के रूप में निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए अभी एकनाथ शिंदे ने हामी नहीं भरी है।

महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटकों को करारा झटका लगा, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने 20 सीटें, कांग्रेस ने 16 और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एससीपी) ने केवल 10 सीटें जीतीं। भाजपा ने महाराष्ट्र में 148 सीटों पर चुनाव लड़कर 133 सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। पार्टी के सहयोगी शिवसेना और एनसीपी ने भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को हुए थे।

रामदास आठवले की शिंदे को सलाह

केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रामदास आठवले ने कहा कि महाराष्ट्र में कोई विवाद नहीं है। भाजपा हाईकमान ने तय कर लिया है कि देवेंद्र फडणवीस को राज्य का अगला सीएम बनाया जाएगा। एकनाथ शिंदे इससे नाराज जरूर हैं, लेकिन उनकी नाराजगी दूर कर ली जाएगी। शिंदे ने अपने ढाई साल के कार्यकाल में कई काम किए हैं, जिनके असर के आधार पर ही सरकार सत्ता में वापस आयी है। लाड़ली बहना योजना का महाराष्ट्र में काफी असर हुआ है।

महिला यात्री की बाइक से गिरकर मौत

पुणे. तेज रफ्तार दुपहिया वाहन से गिरकर साथी यात्री की मौत की घटना वारजे इलाके में हुई. वारजे पुलिस ने दुर्घटना के लिए जिम्मेदार दोपहिया वाहन चालक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया।

मृतक लड़की का नाम गौरी संजीव कुमार कलशेट्टी (उम्र 20, शिवाजी चौक, अंबेगांव) है। इस मामले में दोपहिया वाहन चालक अभिषेक गणेश बांगुड़े (उम्र 24, नरहे) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. रोहित कलशेट्टी (उम्र 40) ने वारजे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस के मुताबिक, रोहित की बहन गौरी और अभिषेक रविवार (24 नवंबर) दोपहर करीब 2.30 बजे मुलशी के एक मंदिर में दर्शन के लिए निकले थे। बाहरी रिंग रोड पर वारजे मालवाड़ी इलाके में माई मंगेशकर अस्पताल के सामने एक कार तेज रफ्तार से आई। बाइक सवार अभिषेक ने ब्रेक मारा। सहयात्री गौरी बाइक से गिर गई। उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. डॉक्टरों ने बताया कि इलाज से पहले ही उसकी मौत हो गई. जांच पुलिस उपनिरीक्षक नारले कर रहे हैं.

सिंधी शरणार्थी भवनों का पुनर्विकास

> म्हाडा के मुंबई बोर्ड ने शुरू की निविदा प्रक्रिया

मुंबई. उच्च न्यायालय ने हाल ही में शिव कोलीवाड़ा, जीटीबी नगर में सिंधी शरणार्थियों की 25 इमारतों के पुनर्विकास के लिए निविदा पर रोक लगाने की मांग करने वाली एक निजी डेवलपर की याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट के फैसले से इन इमारतों के पुनर्विकास का रास्ता साफ हो गया है और मंगलवार से म्हाडा के मुंबई बोर्ड ने प्राइवेट डेवलपर यानी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट एजेंसी की नियुक्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है. मंगलवार को एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया गया और इच्छुक पार्टियों से निविदाओं की स्वीकृति फिर से शुरू हो गई है। तो अब ये पुनर्विकास जल्द ही शुरू होने वाला है.

जीटीबी नगर में सिंधी शरणार्थियों की 25 जर्जर इमारतों को मुंबई नगर निगम ने बेहद खतरनाक घोषित किया है। इसके बाद इन इमारतों को खाली करा लिया गया. लेकिन सवाल ये था कि इन इमारतों का पुनर्विकास कौन करेगा. इसकी शिकायत क्षेत्रवासियों ने राज्य सरकार से की थी. सरकार ने म्हाडा के माध्यम से इन इमारतों का पुनर्विकास करने का निर्णय लिया। मुंबई बोर्ड ने इस संबंध में एक सलाहकार के माध्यम से एक अध्ययन कराया। इस अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार, मोतीलाल नगर की तर्ज पर एक निजी डेवलपर (निर्माण एवं विकास एजेंसी) नियुक्त करके पुनर्विकास के लिए राज्य सरकार को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। मार्च में कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई थी. इस संबंध में सरकारी निर्णय भी प्रकाशित किया गया। सरकार का फैसला जारी होने के बाद बोर्ड ने लोकसभा चुनाव की आचार संहिता जारी होने से पहले ही डेवलपर की नियुक्ति के लिए टेंडर जारी कर दिया.

संरक्षक मंत्री पद के लिए दो 'दादाओं' का नाम सबसे आगे

पुणे. विधानसभा चुनाव के बाद महागठबंधन में शामिल तीनों दलों के विधायकों ने मंत्री पद पाने के लिए लॉबिंग शुरू कर दी है, लेकिन एक बार फिर बीजेपी और एनसीपी (अजित पवार) पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच संरक्षक कौन होगा, इसे लेकर दांव शुरू हो गया है. पुणे के मंत्री. पुणे में भावी मुख्यमंत्री अजित पवार का शहर में डेरा लगा दिया गया है. कार्यकर्ता इस बात पर जोर दे रहे हैं कि पवार को ही मुख्यमंत्री बनना चाहिए, वहीं दूसरी ओर चर्चा यह भी है कि 'अजीत दादा' पालक मंत्री बने रहेंगे. उसमें आगामी समय में स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के चुनाव होंगे। पुणे नगर निगम, जिला परिषद पर अपना दबदबा कायम रखने के लिए पुणे के संरक्षक मंत्री का पद उनके गले पड़ना जरूरी है. अब तक अजित पवार ने सबसे लंबे समय तक सेवा की है. 2014 और 2022 में जिला पालकमंत्री कै. गिरीश बापट, मौजूदा तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल को बैठाया गया है. पालकमंत्री का पद संभालने के बाद जिला योजना समिति की गतिविधियों पर नियंत्रण भी संभव है. इसके अलावा जिले के संरक्षक मंत्री के माध्यम से कार्यकर्ताओं को जिला योजना समिति में नियुक्त किया जा सकता है.

महाराष्ट्र सरकार को हाई कोर्ट से झटका

> पुलिसकर्मी की गिरफ्तारी मामले में निर्देश

मुंबई.

मुंबई हाईकोर्ट ने हत्या के एक मामले की गलत जांच के कारण गिरफ्तार राष्ट्रपति पदक से सम्मानित पुलिसकर्मी की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए महाराष्ट्र सरकार को उसे दो लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया. कोर्ट ने इस मामले में सतारा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के खिलाफ जांच का आदेश भी दिया है.

दरअसल, पीड़ित पुलिसकर्मी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज करने और 10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की थी. पीड़ित पाटिल 2009 में सतारा

जिले के कराड शहर में पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी थे. इस दौरान एक हत्या की जांच उन्होंने की थी. उनके तबादले के बाद इस मामले की जांच दूसरे पुलिस अधिकारी को सौंप दी गई. 2012 में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ने उन्हें इस मामले से जुड़ी जानकारी देने के लिए अपने कार्यालय बुलाया.

जस्टिस एएस चंदुरकर और जस्टिस राजेश पाटिल की खंडपीठ ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि पुलिस अधिकारी को अवैध तरीके से हिरासत में लिया गया था. कोर्ट ने इसे असाधारण मामला बताते हुए कहा कि याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी अनिवार्य नहीं थी, इसमें जमानत दी जा सकती थी. कोर्ट ने यह भी कहा कि कानून के अनुसार याचिकाकर्ता को गिरफ्तारी के बाद पुलिस अधीक्षक के सामने पेश करना चाहिए था.

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपनी गिरफ्तारी के आधार पर मुआवजे की मांग की है और दावा किया है कि यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन था. कोर्ट ने कहा कि पाटिल को उनकी सराहनीय सेवा के लिए जनवरी 2004 में राष्ट्रपति पुलिस पदक और उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस महानिदेशक के प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया था.

इस आधार पर याचिकाकर्ता राज्य सरकार से दो लाख रुपये का मुआवजा पाने का हकदार है. कोर्ट ने पाटिल को आठ हफ्ते में मुआवजे की राशि देने का निर्देश दिया है. इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार दोषी अधिकारी से यह रकम वसूलने के लिए स्वतंत्र है.

4 चौंकाने वाले महाराष्ट्र चुनाव नतीजे

> योगेन्द्र यादव ने किया विश्लेषण!

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हो चुके हैं और अब राजनीतिक विश्लेषक कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर रहे हैं. कुछ के लिए ये नतीजे चौंकाने वाले हैं, जबकि कुछ के लिए ये अपेक्षित थे। लोकसभा चुनाव में महज 17 सीटों से पिछड़ रही महायुति को करीब तीन-चौथाई सीटें मिलीं. दूसरी ओर, महाविकास अघाड़ी पचास तक भी नहीं पहुंच सकी. अब जब विपक्ष की ओर से ईवीएम का मुद्दा उठाया जा रहा है तो राजनीतिक विश्लेषक योगेन्द्र यादव ने कुछ मुद्दों के आधार पर इन नतीजों का विश्लेषण किया है.

एक विश्लेषणात्मक लेख में योगेन्द्र यादव ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नतीजों पर विस्तार से टिप्पणी की है . योगेन्द्र यादव ने इस लेख में बताया है कि जिन परिस्थितियों में आसानी से जीत हासिल की जा सकती थी, उसके बावजूद महायुति की जीत या माविया

की हार से हम आश्चर्यचकित नहीं हैं, लेकिन जिस हद तक महायुति ने यह जीत हासिल की है, वह अधिक आश्चर्यजनक है।

योगेन्द्र यादव ने लेख में नतीजों के चार आश्चर्यजनक पहलुओं का जिक्र किया है. "सबसे पहले, यह इतनी बड़ी जीत है! ग्रैंड अलायंस ने लगभग तीन-चौथाई सीटें हासिल की हैं और कुल वोट शेयर में 14 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। ऐसी जीतें असंभव नहीं तो दुर्लभ हैं। दूसरी बात ये है कि इस रिजल्ट में कोई पैटर्न नहीं है. जैसे कि राज्य में हमेशा से मौजूद धार्मिक, शहरी-ग्रामीण और पार्टी-वार मतभेद किसी अदृश्य हाथ से मिटा दिए गए हों", योगेन्द्र यादव ने कहा। "इनमें से तीसरा तत्व नाटकीय रूप से घुमाई गई कील है। लोकसभा में महायुति को 17 और माविया को 30 सीटें मिलीं. लेकिन विधानसभा में इसका उलटा हुआ और महायुति को 235 सीटें मिलीं और मविआ को केवल 50 सीटें मिलीं।

फर्जी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में महिला बनी ठगी का शिकार

मुंबई. डिजिटल अरेस्ट के कई मामले रोज सामने आ रहे हैं। लेकिन मुंबई में डिजिटल अरेस्ट का एक ऐसा केस सामने आया है, जो आपको हैरान कर देगा। इतना ही नहीं साइबर जालसाजों के सबसे लंबे समय तक डिजिटल अरेस्ट करने का शायद देश में यह पहला मामला हो। दक्षिण मुंबई की एक 77 वर्षीय महिला को एक-दो दिन नहीं, बल्कि एक महीने से अधिक समय तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया। पुलिस ने बताया कि फर्जी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी की धमकी देकर आरोपी ने 77 वर्षीय बुजुर्ग से 3.8 करोड़ रुपये ठग लिए।

पेशे से गृहिणी महिला अपने रिटायर्ड पति के साथ मुंबई में रहती हैं। उनके दो बच्चे हैं और दोनों विदेश में रहते हैं। पुलिस ने कहा कि उन्हें सबसे पहले एक वॉट्सऐप कॉल आया। कॉल

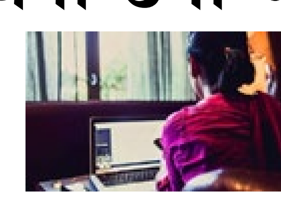

करने वाले ने उन्हें बताया कि उसने ताइवान को जो पार्सल भेजा था, उसे रोक दिया गया है और उसमें पांच पासपोर्ट, एक बैंक कार्ड, 4 किलो कपड़े, एमडीएमए ड्रग्स आदि थे।

महिला ने कॉल करने वाले को बताया कि उसने किसी को कोई पार्सल नहीं भेजा है। फिर कॉल करने वाले ने कहा कि अपराध में उसके आधार कार्ड के विवरण का इस्तेमाल किया गया है और उसे मुंबई के एक पुलिस अधिकारी से बात करने के लिए कहा। कॉल को एक नकली पुलिस अधिकारी को ट्रांसफर किया गया, जिसने कहा कि उसका आधार कार्ड मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले से जुड़ा हुआ है, जिसकी जांच चल रही है, हालांकि उसने इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया। इसके बाद शिकायतकर्ता को स्काइप ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा गया और बताया गया कि पुलिस अधिकारी इसके ज़रिए उससे बात करेंगे। उसे फ़ोन न काटने और मामले के बारे में किसी को न बताने का आदेश दिया गया। आईपीएस अधिकारी आनंद राणा के रूप में खुद को पेश करने वाले एक व्यक्ति ने उसके बैंक खातों का विवरण मांगा। बाद में, वित्त विभाग से जॉर्ज मैथ्यू, आईपीएस होने का दावा करने वाला एक और व्यक्ति कॉल पर आया और उससे कहा कि वह उनके दिए गए बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करे ताकि वे इसकी जांच कर सकें। उन्होंने उससे कहा कि अगर वह जांच में निर्दोष मिलीं तो उनके पैसे वापस कर दिए जाएंगे।

बस पलटने से तीन यात्री घायल

नंदुरबार.

जिले के तलोदा तालुका में रजनी फाटा के पास सोमवार को एक बस पलट जाने से तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गये. कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं।

बताया जा रहा है कि गड्ढों से बचने की कोशिश में ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया और बस पास की खाई में पलट गई. प्रारंभिक जानकारी है कि इस हादसे में बस में सवार कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। यह बस तलोदिया से धनपुर जा रही थी.

चूंकि बस में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र थे, इसलिए हादसे में स्कूली छात्र भी घायल हो गये. हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई. दो से तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें नंदुरबार जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य मामूली घायलों को प्रतापपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। इस समय बड़ी संख्या में घायलों के परिजन स्वास्थ्य केंद्र पर जमा हो गये.

दवा बनानेवाली कंपनी में लगी आग

ठाणे.

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक दवा निर्माण इकाई में रविवार रात को आग लग गई। इस आग में एक 38 वर्षीय श्रमिक घायल हो गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि आनंद नगर क्षेत्र में एक दवा बनाने वाली फैक्टरी में आग लग गई है।यासीन तड़वी ने बताया कि अंबरनाथ क्षेत्र में आनंद नगर एमआईडीसी (महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम) स्थित फैक्टरी में रविवार रात करीब 10 बजे आग लग गई। ठाणे पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारण अनिल यादव नामक एक कर्मचारी झुलस गया है और उसे

स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि फैक्टरी में लगी आग इतनी भयानक थी कि आग में पूरी फैक्टरी जलकर खाक हो गई। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर और कल्याण से दमकल दलों को बुलाया गया था।

आग बुझाने के लिए अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर और कल्याण से आए दमकल कर्मियों के चार दलों ने देर रात पौने तीन बजे आग को नियंत्रित कर लिया। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

पुराने पुणे-मुंबई हाईवे पर कूड़े के ढेर

मुंबई.

हाल के दिनों में नागरिक समस्याएँ विकराल रूप लेती जा रही हैं। अक्सर शिकायतें होती हैं, लेकिन समस्या 'ज्यों की त्यों' बनी रहती है।

पिंपरी-चिंचवड़ शहरों का तेजी से विस्तार हो रहा है। हर तरफ गगनचुंबी इमारतें खड़ी हो रही हैं और आबादी बढ़ती जा रही है। बढ़ती जनसंख्या के साथ कचरे की समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। पुराना पुणे-मुंबई राजमार्ग शहर से होकर गुजरता है। यह राजमार्ग देहुर रोड, तलेगांव दाभाड़े से भी होकर गुजरता है। नगर पालिका, तलेगांव नगर परिषद गीला और सूखा कचरा अलग-अलग स्वीकार करती है। एकत्रित कूड़ा नहीं लिया जाता। कई नागरिक कूड़ा-कचरा एक साथ रखते हैं। घंटाघर के कर्मचारियों द्वारा कूड़ा लेने से इंकार करने के बाद कूड़ा हाईवे के किनारे फेंक दिया जाता है।

आठ उम्मीदवारों को एक लाख से ज्यादा वोट

मुंबई. विधानसभा चुनाव में मुंबई में आठ उम्मीदवारों को एक लाख से ज्यादा वोट मिले हैं. इसमें बीजेपी के पांच और शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के दो उम्मीदवार शामिल हैं. दिलचस्प बात यह है कि हारे हुए उम्मीदवारों में महाविकास अघाड़ी के नसीम खान भी शामिल हैं. इन करोड़पति उम्मीदवारों में बोरीवली के संजय उपाध्याय पहले स्थान पर हैं। जबकि बाकी उम्मीदवारों में मालाबार हिल से मंगलप्रभात लोढ़ा, मुलुंड से मिहिर कोटेचा, कांदिवली से अतुल भातखलकर, चांदीवली से योगेश सागर, चांदीवली से दिलीप लांडे और नसीम खान, मगाथाने से प्रकाश सुर्वे शामिल हैं। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद अब इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि किस विधानसभा क्षेत्र में किसका दबदबा रहेगा.

आज का राशिफल

मेष - जातकों के लिए कल दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा. आपको अपने घरेलू कामों पर पूरा ध्यान देना होगा.

वृषभ - जातको के लिए दिन आनंदमय रहने वाला है. आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी. आप अपने बेफिजूल के खर्चों को बढ़ा सकते हैं.

मिथुन- जातकों के लिए कल दिन सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा.

कर्क -दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे और किसी से यदि कोई कर्जा लिया था, तो उसे भी उतारने में सफल रहेंगे.

सिंह - शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें.

कन्या - जातकों के लिए दिन रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा. आपकी कला कौशल में सुधार आएगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा.

तुला -आज दिन सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा. आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी.

वृश्चिक - आज कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. बच्चों के साथ आप समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे.

धनु -जातकों की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी. आप अपने आवश्यक कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें. यदि आपने धन संचय करने का सोचा था

मकर -जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको पारिवारिक मुद्दों में ढील देने से बचना होगा.

कुंभ -आज दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें भी काफी हद तक राहत मिलेगी.

मीन -आज दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा. साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा.

शरद पवार की एनसीपी ने किया ईवीएम का विरोध

कहा- शक न हो, इसलिए छोटा चुनाव जिता देते हैं

मुंबई.

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर विवाद जारी है। खासकर महाराष्ट्र में चुनावी नतीजों के एलान के बाद महायुति की जीत विपक्षी महा विकास अघाड़ी के गले नहीं उतर रही। ऐसे में पहले कांग्रेस और अब शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-एसपी) ने भी ईवीएम को लेकर सवाल खड़े किए हैं और मतपत्रों के जरिए चुनाव कराने की मांग की है।

राकांपा-एसपी के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक के बाद पार्टी के नेता जितेंद्र अव्हाड ने कहा, "लगभग सभी उम्मीदवारों ने ईवीएम के खिलाफ बहुत गुस्सा दिखाया है। सभी ने कहा है कि इसके खिलाफ एक

आवाज उठनी चाहिए। हरियाणा लिया, जम्मू कश्मीर दिया, महाराष्ट्र लिया, झारखंड दिया। ताकि आपको शक न आए। क्या बोलेंगे कि झारखंड में तो जीते न तुम ईवीएम पर। मैंने हमेशा कहा है कि छोटा चुनाव दे देंगे आपको। बड़ा चुनाव साथ में लेकर जाएंगे।"

अव्हाड ने आगे कहा, "जब लोकसभा से पहले कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हुए, वो हम जीत गए। हम भी हवा में चले गए। बोले- नहीं-नहीं ईवीएम बराबर है। असल में ईवीएम का इस्तेमाल लोगों को मूर्ख बनाने के लिए किया जाता है। यानी दाना डालो पंछी लो और इधर से बड़ा हाथी खींच लो।"

राकांपा-एसपी नेता ने अमेरिका के चुनाव का दिया उदाहरण

राकांपा-एसपी नेता ने अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा, "अमेरिका जैसे प्रगत राष्ट्र में, उधर आज भी बैलेट पेपर से चुनाव होता है। तुम अमेरिका से प्रगत तो नहीं हो। वहां सात-सात दिन काउंटिंग चलता है। ऐसी कोई बड़ी बात नहीं है कि इधर चार दिन चलता है।

इससे पहले कांग्रेस ने एक बार फिर मतपत्रों की वापसी की मांग उठाई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को तालकटोरा स्टेडियम में कहा कि मतपत्रों की वापसी के लिए भारत जोड़ो यात्रा की तरह जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। संविधान रक्षक अभियान कार्यक्रम के दौरान खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातिगत जनगणना से डरते हैं। मोदी को डर है कि अगर वह जाति जनगणना कराते हैं तो समाज के सभी वर्ग अपना हिस्सा मांगेंगे।

खरगे ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए ने शानदार जीत दर्ज की है। मगर इस चुनाव का उद्यमी गौतम अदाणी से भी लेना-देना है, क्योंकि उनकी काफी संपत्ति दांव पर लगी थी।

तीन विधानसभा क्षेत्रों में जारी उद्धव ठाकरे का दबदबा

मुंबई. कोलाबा और शिवडी के बीच द्वीप पर फैला दक्षिण मुंबई लोकसभा क्षेत्र कभी कांग्रेस का गढ़ था। शिव सेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के नेतृत्व में, शिवसेना ने इस निर्वाचन क्षेत्र के छोटे प्रभागों में अपनी पकड़ बनाई। 2022 में शिवसेना के सत्ता में आने के बाद इस निर्वाचन क्षेत्र के कुछ क्षेत्रों में समीकरण बदल गए थे। लेकिन फिर भी, दक्षिण मुंबई लोकसभा क्षेत्र के तीन विधानसभा क्षेत्रों में शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने अपना वर्चस्व कायम रखा.

मुंबई दक्षिण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में छह विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं, जैसे कोलाबा, मुंबादेवी, मालाबार हिल, वर्ली, शिवडी और भायखला। दक्षिण मुंबई में कोलाबा, मुंबादेवी, मालाबार हिल कभी कांग्रेस के गढ़ रहे हैं। इसके अलावा दक्षिण मुंबई के मुस्लिम बहुल इलाकों से भी बड़ी संख्या में मतदाताओं ने कांग्रेस का समर्थन किया. इसीलिए 1984, 1996, 1989 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता मुरली देवड़ा की जीत आसान रही. बाबरी मस्जिद और राम जन्मभूमि की घटनाओं का असर

दक्षिण मुंबई लोकसभा क्षेत्र पर भी पड़ा और 1996 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की जयंतीबेन मेहता ने मुरली देवड़ा को हराया। हालांकि, 1998 में मुरली देवड़ा ने लोकसभा चुनाव जीता। मुरली देवड़ा के बेटे मिलिंद देवड़ा ने 2004 और 2009 के लगातार चुनावों में इस निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखा। लेकिन 2014 में आई मोदी लहर में शिवसेना-बीजेपी गठबंधन के अरविंद सावंत ने जीत हासिल की. 2019 का चुनाव भी अरविंद सावंत ने जीता. इस बीच गठबंधन का टूटना, बीजेपी-शिवसेना के बीच दरार, शिवसेना के सत्ता में आने के बाद बदले समीकरण और मुस्लिम बहुल इलाकों से गिरते वोटों ने 2024 में अरविंद सावंत की जीत का रास्ता साफ कर दिया.

सुविचार

महान लोग सदैव स्वयं की खोज में रहते हैं।
जिस ज्ञान से मनुष्य स्वयं को जान सके वही सच्चा ज्ञान है।

संपादकीय

गलत क्यों हैं अमीर देश?

असहमति के बीच कॉप-29 का समापन

❍ अजरबैजान की राजधानी बाकू में हो रही 29वीं कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-29) का जिस तीखी असहमति और कड़वे बयानों के साथ समापन हुआ, उसे किसी भी रूप में पॉजिटिव नहीं कहा जा सकता। क्लाइमेट चेंज जैसे अहम मसले पर विकासशील और विकसित देशों के बीच अविश्वास और संदेह का माहौल बनना भविष्य में सभी देशों की साझा पहल की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकता है।

विकासशील देशों में इस तरह से छले जाने का भाव पैदा होने के पीछे सबसे बड़ी वजह रही विकसित देशों की कंजूसी। कहां तो ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने वाले कदमों का खर्च उठाने में विकासशील देशों की मदद करने के लिए सालाना 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक का योगदान जुटाने की बात थी और कहां विकसित देश सालाना 300 बिलियन डॉलर पर आकर ठहर गए। जिस तरह से इस मामूली और नाकाफी टारगेट को तय किया गया - न तो इस पर ढंग से चर्चा होने दी गई और न ही संबंधित राष्ट्रों को विरोध दर्ज करने का मौका दिया गया - उससे भी विकासशील देशों में नाराजगी पैदा हुई। एक और बात यह रही कि यह रकम भी विकासशील देशों को पूरी तरह ग्रांट के रूप में नहीं मुहैया कराई जाएगी। इसे विभिन्न सरकारों के साथ ही प्राइवेट स्रोतों से भी जुटाने की बात है जिसमें मल्टिलैटरल डिवेलपमेंट बैंक भी शामिल हैं। जाहिर है, कर्ज और उससे जुड़ी शर्तें भी विकासशील देशों के हिस्से आने वाली हैं।

सम्मेलन के आखिर में बने इस माहौल से अलग हटकर देखा जाए तो दिलचस्प है कि अमेरिका में निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का कार्यकाल अभी शुरू नहीं हुआ है, न ही वह इस सम्मेलन में मौजूद रहे, इसके बावजूद सम्मेलन पर उनका साया महसूस होता रहा। यह बात सबके ध्यान में थी कि आगामी 20 जनवरी से शुरू हो रहे उनके कार्यकाल के दौरान क्लाइमेट चेंज के मसले पर अमेरिका से किसी तरह के पॉजिटिव रुख की उम्मीद नहीं की जा सकती। ऐसे में कई विकसित देशों के प्रतिनिधियों की दिलचस्पी यह सुनिश्चित करने में थी कि फंड कम हो या ज्यादा, पर क्लाइमेट चेंज को लेकर जिस तरह की वैश्विक सहमति हासिल की जा चुकी है, उसे आने वाले वर्षों में कोई नुकसान न पहंचाया जा सके। भारत ने अपनी अब तक की भूमिका के अनुरूप ही विकसित देशों के नकारात्मक रुख का तीव्र विरोध करने में विकासशील देशों की अगुआई की और ग्लोबल साउथ के देशों की प्राथमिकताओं का ख्याल न रखने वाले इस फैसले को गलत बताया। बहरहाल, असंतोष और नाराजगी के बावजूद यह ध्यान रखना जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से लड़ने के वैश्विक संकल्प को कमजोर न पड़ने दिया जाए।

लघुकथा

आशीष त्रिवेदी

उम्मीद

❒ रज़िया बेगम आकर थाने में बैठ गईं। इन्स्पेक्टर सक्सेना किसी की शिकायत सुन रहे थे। उन्होंने रज़िया बेगम को देखा और मन ही मन भुनभुनाये 'फिर आ गईं मानती ही नहीं।' फिर अपने काम में लग गए। पिछले छह महीने से रोज़ रज़िया बेगम थाने के चक्कर लगा रही हैं। एक दिन अचानक ही उनके बुढ़ापे का सहारा उनका जवान बेटा दानिश कहीं गायब हो गया। उसी के बारे में पूछताछ करने वो थाने आती हैं। अपना काम निपटा कर इन्स्पेक्टर सक्सेना रज़िया बेगम से बोले खाला क्यों रोज़ रोज़ परेशान होती हैं। जब भी हमें कोई खबर मिलेगी हम आपको भिजवा देंगे। रज़िया बेगम ने उनकी तरफ इस प्रकार देखा जैसे वो उनसे कोई मकसद छीन ले रहे हों "सही कहा बेटा लेकिन इस बेवा के जीवन में अपने बेटे के इंतजार के अलावा और कोई मकसद ही नहीं बचा है। इसलिए रोज़ इस बूढ़े जिस्म को इस उम्मीद से घसीट कर यहाँ लाती हूँ की शायद कोई अच्छी खबर मिले। फिर मायूस होकर जब यहाँ से जाती हूँ तो दिल को फिर तसल्ली देती हूँ की कल फिर जाकर देखूंगी की शायद कोई खबर हो। एक उम्मीद के सहारे ही तो इसे चला रही हूँ। नहीं तो ये कब का थक कर बैठ गया होता। यह कह कर रज़िया बेगम अपने घर को चल दीं।

व्यंग्य

कच्छप नीति

❒ हे मनुष्यों! मैं सर्वदा सुखी रहने वाला संसार का एकमात्र जीव हूं । मैं कवच के साथ ही जन्म लेता हूं. अपनी खोल से बाहर मैं तभी निकलता हूं जब भूख लगती है। सादा भोजन करता हूं. विचार तो उच्च है ही यही मेरे जीवन के मूल मंत्र है। आपको भी मेरी नीति का पालन करना चाहिए. संसार सुखों का घर है। सुस्ती सुखों का कारण है। कच्छप नीति ही सर्वोत्तम नीति है। मित्रो, मेरी पहली नीति है सुस्ती परम सुख अपना कवच बना लो. कवच चाहे धन का हो विद्या का हो ज्ञान का हो अधिकारों का हो या राजनीति का या वंश का हो. अपने कवच में ही पड़े रहो. संसार अपनी गति से चल रहा है। यह तुम्हारे हस्तक्षेप से आंदोलित नहीं होगा. संसार की गति और मति में बाधा डालने वाले तुम होते कौन हो? किसी की लाज लुटी लुटने दो. किसी का घर जला जलने दो सड़क के किनारे किसी बेवश के साथ बलात्कार हो रहा हो तुम अपने ऑफिस जाओ. भरी सभा में द्रोपदी की लाज लुट गई. वहां किसी ने कुछ नहीं किया जानते हो क्यों? क्योंकि सभी वहां बुद्धिजीवी थे. यदि वह कोल-भीलों की सभा होती तो दुशासन की बांह उखाड़ने के लिए किसी महाभारत की प्रतीक्षा नहीं करती. सुविधाभोगी मध्यमवर्ग युगों से संसार की शोभा बढ़ाता आया है. वह हमेशा हस्तिनापुर की गद्दी से बंधा रहा है। हस्तिनापुर की जनता के साथ बंधने की तो प्रतिज्ञा किसी युग के भीष्म ने नहीं की उसने तो हमेशा यही प्रतिज्ञा की कि जो भी गद्दी पर बैठेगा उसमें अपने बाप की छवि देखेगा. नहीं भी देखना चाहेगा तो दिख ही जायेगी। गद्दी चीज ही ऐसी होती है। किसी के घर में आग लगे तो सबसे पहले अपने घर की बाल्टी छुपा दो कहीं कोई आग बुझाने के लिए ले गया और बाल्टी गुम हो गई तो क्या करोगे? कभी भी पराई आग में मत कूदो. दीर्घायु होने और सुख से रहने के लिए यह मंत्र सबसे अधिक उपयोगी है. मानवों , तुम सृष्टि के सबसे अधिक चालाक जीव अपने को मानते हो लेकिन तुमलोगों में भी मूर्खों की संख्या बहुत अधिक है. तुम्हारे शास्त्र कहते रहे हैं कि मानव योनि चौरासी लाख यानियों के बाद मिलती है फिर भी लोग सुख से जीना छोड़कर शहीद होने निकल पड़ते है। बुद्ध नाम ने तो सुना है कि राजपाट का त्याग करके संसार को सुधारने का बीड़ा ही उठा लिया । उसने अपने पिता का राज तो डुबोया ही अपने पुत्र का कैरियर भी ले डूबा । एकलौता बेटा बेचारा उसकी ही तरह संन्यासी बनने को मजबूर हो गया। उसने संसार के धर्मों में व्याप्त आडंबरों को दूर करने की सोची कही का नहीं रहा. उसी तरह ईसा को सूली पर चढ़ा दिया गया. सिखों के गुरू नाना प्रकार की सजा भुगतते रहे लेकिन विधर्मी राजा के आगे घुटने नहीं टेके. गांधी ने गोली खा ली. साहब यह समझदारी नहीं है। शक्तिशाली अपना तलवा चाटने तो किस्मत मानो कुत्ता सृष्टि के आरंभ से लेकर आज तक आदमी का प्रधान मित्र हैं. पहले वह शिकार के लिए आगे चलता था अब मार्निंग वाक के लिए. चलता आगे ही है. केवल दुम हिलाने की अपनी कला के बदौलता. यदि एक कुत्ता इतना व्यावहारिक हो सकता है तो एक आदमी क्यों नही. दुम यदि भगवान नहीं दी तो जीभी तो दी है। उससे तो दुम से अधिक काम लिया जा सकता है. चमचागिरी शब्द को बदनाम कर दिया गया है लेकिन यह व्यावहारिक समझादारी का ही दूसरा नाम है. शहीदों ने यदि रायबहादुर का तमगा लिया होता तो उनकी चांदी होती. आज भी कुल के लोग मंत्री वंत्री होते। रियासत जाती राज नहीं । सत्ता ही अंतिम सत्य है.

सार्वजनिक स्थान और धार्मिक संरचनाएं

> एक इस्लामी नैतिक दृष्टिकोण

इंशा वारसी
फ्रेंकोफोन और पत्रकारिता अध्ययन, जामिया मिलिया इस्लामिया

❍ इस्लाम समानता और विशेषाधिकारों के बीमा पर जोर देता है, यह स्पष्ट करता है कि किसी को भी व्यक्तिगत या सामूहिक गतिविधियों/उद्देश्यों के लिए सड़कों या अन्य पारस्परिक स्थानों सहित सार्वजनिक भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने या हड़पने का अधिकार नहीं है। यह दिशानिर्देश कुरान के निर्देशों और पैगंबर मुहम्मद के पाठों में स्थापित है। इस्लाम स्पष्ट रूप से ऐसी गतिविधियों की निंदा करता है, जहाँ थोड़ी सी भी अवैधता शामिल हो।

सार्वजनिक भूमि को इस्लाम में सभी मानव जाति का समर्थन करने के लिए एक पवित्र ट्रस्ट के रूप में देखा जाता है। संपत्ति के विशेषाधिकारों के लिए इस्लामी संरचना नैतिक और भौतिक प्रतिबद्धताओं पर आधारित है, जो भूमि के दोहरे व्यवहार, संचय या अकुशल उपयोग को रोकने की उम्मीद करती है। सार्वजनिक स्थान, जिनमें सड़कें और अन्य स्थान शामिल हैं, आराजी मेट्रूक (ओटोमन लैंड कोड, 1858 के अनुसार) की श्रेणी में आते हैं - वह भूमि जिसे सार्वजनिक उपयोग के लिए आवंटित किया गया है।

व्यक्तिगत उपयोग या किसी भी घटना में, धार्मिक उपयोग के लिए ऐसे स्थानों को विनियोजित करना इस्लामी पाठों को नकारता है, जो सार्वजनिक स्थानों की पवित्रता को रेखांकित करते हैं। कुरान स्पष्ट रूप से दूसरों की चीज़ों को अनुचित तरीके से लेने के खिलाफ चेतावनी देता है: चाहे वह निजी हो या सार्वजनिक: "इसके अलावा, एक दूसरे की संपत्ति को अनुचित तरीके से न खाओ या इसे [रिश्वत में] शासकों को न भेजो ताकि [वे] लोगों की संपत्ति का कुछ हिस्सा गलत कामों में खर्च करने में तुम्हारी मदद कर सकें, जबकि तुम जानते हो कि यह अवैध है" (कुरान 2:188)। अवैध रूप से प्राप्त भूमि पर मस्जिद या अन्य धार्मिक संरचनाओं का निर्माण इस्लाम में पूरी तरह से निषिद्ध है। एक मस्जिद, जिसे अल्लाह के कथन को फैलाने और प्रेम, शांति और सद्भाव के आसन के रूप में कार्य करने की उम्मीद है, अपने उद्देश्यों को पूरा नहीं कर सकती है यदि यह अवैध रूप से कब्जा की गई भूमि पर बनी हुई है। इसकी पुष्टि पैगंबर मुहम्मद द्वारा मस्जिद अल-दिरार (शरारत की मस्जिद) को नष्ट करने से होती है, जिसे पाखंडियों द्वारा विश्वासियों के बीच शरारत और कलह फैलाने के लिए बनाया गया था। पैगंबर मुहम्मद को एक रहस्योद्घाटन (कुरान की आयतें 9:107 और 9:110) प्राप्त हुआ जिसके बाद इसे नष्ट कर दिया गया।

यह इस बात की पुष्टि करता है कि मस्जिद की पवित्रता उसके वैध होने से जुड़ी है। इस्लामी शोधकर्ता लगातार इस बात पर सहमत हैं कि धोखे से प्राप्त भूमि पर आधारित मस्जिद में प्रार्थना करना अनुचित है। मानक स्पष्ट है: यह मानते हुए कि भूमि को अवैध रूप से हड़पा गया है, यहां तक कि सबसे अच्छी उम्मीदें भी निर्माण को पवित्र नहीं कर सकती हैं। किसी भी मामले में, अनुचित स्रोतों से प्राप्त किसी भी प्रतिबद्धता को खारिज कर दिया जाना चाहिए, जैसा कि प्राथमिक खलीफा अबू बकर ने उदाहरण दिया था, जिन्होंने एक बार ज्योतिष के माध्यम से खरीदे गए भोजन को खारिज कर दिया था।

भूमि के कब्जे और उपयोग से निपटने का इस्लाम का तरीका आम तौर पर लोकलुभावन है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी उल्लंघन के आवश्यक स्वतंत्रता प्राप्त करे। सार्वजनिक स्थानों को कठिनाई और शर्मिंदगी से बचाने के लिए सुरक्षित रखा जाता है। सार्वजनिक स्थानों पर अनुचित नियंत्रण इन गुणों को नष्ट कर देता है और सामाजिक सामंजस्य को बिगाड़ देता है। सार्वजनिक स्थानों के महान डिजाइनों के उपयोग पर इस्लामी दृष्टिकोण स्पष्ट है। सार्वजनिक स्थान समाज के समग्र लाभ के लिए निहित एक ट्रस्ट हैं, और उनका अवैध उपयोग इस्लामी पाठों और नैतिक मानकों दोनों की अवहेलना करता है। इस तरह, मुसलमानों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके प्रेम के स्थान इस तरह से बनाए जाएं कि वे इस्लाम में सम्माननीय समानता और नैतिक गुणवत्ता के अनुरूप हों।

कहानी

ओमप्रकाश तिवारी

एक लड़की पहेली सी

❒ टाइपिंग कोचिंग सेंटर में विजय का पहला दिन था। वह अपनी सीट पर बैठा टाइप सीखने के लिए नियमावली पुस्तिका पढ़ रहा था। तभी उसकी निगाह अपने केबिन के गेट की तरफ गई। गाय की आंख जैसी कजरारे नयनों वाली एक सांवली उसी केबिन में आ रही थी। वह देखता ही रह गया। लड़की उसकी बगल वाली सीट पर आ कर बैठ गई। टाइप राइटर को ठीक किया और टाइप करने में मशगूल हो गई। लेकिन विजय का मन टाइप करने में नहीं लगा। वह किसी भी हालत में लड़की से बातें करना चाह रहा था। वह टाइप राइटर पर कागज लगाकर बैठ गया और लड़की को निहारने लगा। लड़की की अंगुलियां टाइप राइटर के की-बोर्ड पर ऐसे पड़ रही थीं जैसे वह हारमोनियम बजा रही हो। थोड़ी देर बाद लड़की को विजय की इस हरकत का एहसास हुआ तो वह गुस्से में बोली।

टाइप सीखने। बिल्कुल सहज जवाब था विजय का। ऐसे सीखोगे? लड़की के स्वर में तल्खी बरकरार मेरा आज पहला दिन है न, इसलिए मेरी समझ में कुछ भी नहीं आ रहा है। आप टाइप कर रहीं थीं तो मैं देखने लगा कि आपकी अंगुलियां कैसे पड़ती हैं की-बोर्ड पर। कैसे पड़ती हैं? लगता है जैसे आप हारमोनियम बजा रही हों। आपको टाइप करते देखकर लगा कि मैं भी सीख जाऊंगा। यदि इसी तरह मुझे ही देखते रहे तो आपकी यह मनोकामना कभी पूरी नहीं होगी।लड़की फिर टाइप करने में जुट गई। विजय भी की-बोर्ड देखकर टाइप करने लगा। टाइप करने में उसका मन नहीं लग रहा था। वह बेचैनी महसूस कर रहा था। उसका मन लड़की को निहारने को ही कह रहा था। वह चोर निगाहों से उसे देख भी लेता। दस मिनट बाद ही उसने टाइप राइटर का रिबन फंसा दिया। वह उसे ठीक करने लगा पर ठीक नहीं कर पाया। हार कर बैठ गया.क्या हुआ? रिबन फंस गया। ए रिबन तो फंसेगा ही जब ध्यान कहीं और हाथ कहीं और होगा तो। मैं तो टाइप ही कर रहा. लड़की उसके टाइप राइटर को थोड़ा अपनी ओर खींचकर रिबन ठीक करने लगी। इसी बीच रिबन नीचे गिर गया। वह उसे उठाने के लिए झुकी तो उसके गले से चुन्नी गिर गई। रिबन उठाने के लिए विजय भी झुका था। उसकी निगाह अकस्मात ही लड़की के उरोजों पर चली गई। लड़की ने भी विजय की इस हरकत को देखा और उठकर फिर से रिबन ठीक करने लगी। विजय के चेहरे पर पसीना चुहचुहा आया।

लो, ठीक हो गया। लड़की ने कहा तो उसकी चेतना लौटी।लड़की फिर टाइप करने में लग गई। लेकिन विजय का मन टाइप में बिल्कुल भी नहीं लगा। वह लड़की से बात करने की ताक में ही लगा रहा।मन नहीं लग रहा है? अचानक लड़की ने उससे पूछा तो उसकी बांछें खिल गईं। उसने सोचा कि आप जैसी खूबसूरत लड़की बगल में बैठी हो तो टाइप करने में किसका मन लगेगा, लेकिन वह सोचकर ही रह गया।नहीं और लगता है कि सीख भी नहीं पाऊंगा।आसार तो कुछ ऐसे ही दिखते हैं। आपका नाम? सरिता। अच्छा नाम है। लेकिन मुझे इस नाम से नफरत है। क्यों? कोई एक कारण हो तो बताएं। यह कहते हुए सरिता अपनी सीट से उठी और पर्स कंधे पर टांगते हुए केबिन से बाहर निकल गई। विजय उसे जाते हुए देखता रहा। सरिता के जाने के बाद उसने एक निगाह उसके टाइप राइटर पर डाली। टाइप राइटर उसे उदास लगा। विजय को लगा कि उसकी उदासी उस पर भी तारी होती जा रही है। और दुनिया बदल गई.इसी दिन से विजय हवा में उड़ने लगा। रातों को छत पर घूमने लगा। तारे गिनता और आसमान से बातें करता। चांदनी रात अच्छी लगने लगी और उसमें बैठकर कविताएं लिखता। गर्मी की धूप उसे गुनगनी लगने लगी। दुनिया गुलाबी हो गई तो जिंदगी गुलाब का फूल। आंखों से नींद गायब हो गई। वह ख्यालों ही ख्यालों में पैदल ही कई-कई किलोमीटर घूम आता। अपनी इस स्थिति के बारे में उसने अपने एक दोस्त को बताया तो उसने कहा -गुरु, तुम्हें प्यार हो गया है। दोस्त की बात सुनकर उसे लगा कि दोस्त ने उसके दिल की बात कह दी।

संस्मरण

अंकिता भार्गव

नवप्रभात

❒ शाम के छः बज रहे थे, सूर्यास्त का समय था। समुद्र के तट पर बहुत भीड़ थी, कुछ लोग घूमने आए थे तो कुछ उनके मनोरंजन व पेट पूजा के जरिए अपनी रोजी कमाने। सभी लोग खुश थे सिवाय एक नवीन चंद्र वह भीड़ के उस रेले में भी अकेला-उदास ही बैठा था.नवीन चंद्र एक व्यापारी था और कल तक सफल भी था। क्या नहीं था उसके पास। नौकर-चाकर, गाड़ियां, बंगला। कुछ दिन पहले तक वह शहर के नामी रईसों में गिना जाता था .मगर आज कुछ भी नहीं रहा। फैक्ट्री में लगी भीषण आग ने उसका सब कुछ छीन लिया. बहुत बड़ा नुकसान हुआ था उसकी हिम्मत उसका साथ छोड़ चुकी थी। समझ नहीं आ रहा था क्या करे।

कैसे अपनी पत्नी-बच्चों का सामना करे. हताश नवीन चंद्र की आंखों में आंसू आ गए। वह शून्य में ताकने लगा, तभी उसके सामने से एक गुब्बारे वाला निकला। वह छोटे बच्चों को गुब्बारों की ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रहा था। उसके मैले कुचैले कपड़े और उसकी हालत देख कर कोई भी उसकी आर्थिक स्थिति का अंदाजा लगा सकता था। नवीन चंद्र सोचने लगा कि जब यह व्यक्ति मेहनत करके अपनी रोजी कमा सकता है तो वह क्यों नहीं.

'क्या सोच रहे हो एन. सी.।' यह आवाज सुन कर नवीन चौंक गया उसने पीछे केशव खड़ा था जो कि उसका मित्र और व्यापार में उसका भागीदार भी था। 'तुम यहां!' 'हां भई, भाभी का फोन आया था तुम्हारे बारे में पूछ रही थी, वो बहुत परेशान थी और मैं जानता था तुम यहीं मिलोगे इसलिए मैं तुम्हें लेने यहां चला आया।

क्या इरादे हैं दोस्त कहीं हार मान कर कोई ऐसा वैसा कदम उठाने की तो नहीं सोच रहे हो ना' 'नहीं अब मैं ऐसा कुछ नहीं करूंगा. हालात चाहे कैसे भी हों मैं उनसे लड़ूंगा.'यह हुई ना बात मेरे दोस्त, हम यूंही हार नहीं सकते। एक बार फिर शुरूआत करेंगे और दुबारा फिर वही मुकाम हासिल करेंगे जो हमने खोया है.'

'अरे एन. सी. वह देखो वह क्या है?' नवीन चंद्र ने उस ओर देखा जिधर केशव ने इशारा किया था। 'क्या है, डूबता हुआ सूरज है, पहली बार थोड़े ही देख रहे हो।' 'ऊंह! सिर्फ डूबता हुआ सूरज नहीं, मुझे तो इसके पीछे एक उम्मीदों से भरा नवप्रभात दिखाई दे रहा है। क्या कहते हो?' केशव ने नवीन की ओर अपना हाथ बढा दिया। नवीन उसका इशारा समझ गया उसने भी मुस्कुराते हुए केशव का हाथ थाम लिया।

आलेख

दीपक आचार्य

दोष न दें विभीषण को

❒ आज चिरंजीवियों में जिस महापुरुष का नाम सबसे कम लोग लेते हैं वे हैं विभीषण महाराज। अन्य सभी चिरंजीवियों अश्वत्थामा, बलि, व्यास, हनुमान, कृपाचार्य, परशुराम एवं मार्कण्डेय का कहीं न कहीं जिक्र आता ही है। लेकिन सारे गुणों,सत्य, धर्म और नैतिक आदर्शों के बावजूद केवल राक्षस कुल में जन्म लेने मात्र और लंका त्याग की वजह से विभीषण नाम रखना और उनका नाम लेने से लोग कतराते हैं। और तो और कुटुम्बी विरोधियों को विभीषण की संज्ञा से नवाजते हुए यहां तक कहा जाता है-घर का भेदी लंका ढाये।विभीषण ने रावण को सद्मार्ग पर आने की सीख दी, कुमार्ग से बचने के लिए बार-बार चेताया भी। लंका त्याग कर भगवान राम की शरण प्राप्त की, राक्षसी वातावरण को समाप्त किया और राक्षसराज रावण के उन्मूलन का मार्ग सुझाते हुए लंका को असुरों से मुक्त कराया। यह सब कुछ विभीषण ने सत्य, धर्म और नीति का अनुगमन करते हुए किया, फिर भी लोग विभीषण का नाम लेने से कतराते हैं और उनका नाम नकारात्मक अर्थ में लेते हुए हीनता भाव दर्शाते हैं। विभीषण के साथ हमारा यह दुस्साहसपूर्ण अन्याय है जबकि आज के माहौल में हम सब उस युग में जी रहे हैं जहां हम सारे के सारे अपने आपको मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का अनुयायी कहते हैं, दिन और रात में जाने कितनी बार राम-राम करते रहते हैं, राम के नाम की दुहाई और सौगंध देकर जाने कैसे-कैसे काम करवा डालते हैं, अपने आपको रामभक्त कहते हुए राम के नाम पर हम सारे के सारे क्या कुछ नहीं करते आ रहे हैं, फिर भी रामराज्य स्थापित नहीं कर पाए हैं।यहां तक कि राम के नाम पर एक डग भी आगे नहीं बढ़ा सके हैं। विभीषण ने जिन हालातों में रहकर आत्मग्लानि और दुःखी होकर अपने आपको रावण से अलग कर लंका का साथ छोड़ा, लगभग उसी तरह के हालात आज भी सर्वत्र व्याप्त हैं।उन दिनों केवल रावण और मेघनाद, कुंभकर्ण एक-एक ही थे। आज अनगिनत रावण छाए हुए हैं और इन रावणों के बदमिजाज और स्वेच्छाचारी मेघनादों एवं शूर्पणखाओं की भी जबर्दस्त धमाल है।रावणों के दूर-दूर के कुटुम्बी भी कुंभकर्ण बने हुए वो सब कुछ कर रहे हैं जिसे करने में कुंभकर्ण को भी लाज-शरम का अनुभव होता।

वेरखोयांस्क, रूस

वेरखोयांस्क, रूस के सखा गणराज्य में स्थित एक शहर है. यह आर्कटिक सर्कल में याना नदी पर बसा है. वेरखोयांस्क, दुनिया की सबसे ठंडी जगहों में से एक है. यहां सर्दियों में औसत तापमान -45°C होता है और जनवरी में तापमान -50°C से भी नीचे चला जाता है. साल 1892 में यहां सबसे कम तापमान -89.2°C दर्ज किया गया था. वेरखोयांस्क में हमेशा बर्फ़ गिरती रहती है. वेरखोयांस्क, रूस के सखा गणराज्य के वेरखोयांस्की जिले में एक शहर है, जो आर्कटिक सर्कल में याना नदी पर 92 किलोमीटर दूर स्थित है। (57 मील) जिले के प्रशासनिक केंद्र बटागे से , और सखा गणराज्य की राजधानी याकुत्स्क से 675 किलोमीटर (419 मील) उत्तर में । 2010 की जनगणना के अनुसार , इसकी जनसंख्या 1,311 थी। वेरखोयांस्क आर्कटिक सर्कल के उत्तर में अब तक के सबसे गर्म तापमान का रिकॉर्ड रखता है, 38.0 °C (100.4 °F) के साथ, और यह एशिया में अब तक के सबसे ठंडे तापमान का रिकॉर्ड भी रखता है , 67.8 °C (90.0 °F) ठंड का रिकॉर्ड ओम्याकोन के साथ साझा किया गया है।

कोसैक्स ने 1638 में एक ओस्ट्रोग की स्थापना की, आधुनिक शहर से 90 किलोमीटर (56 मील) दक्षिण-पश्चिम में। ओस्ट्रोग का नाम "वेरखोयान्स्की", जिसका रूसी से मोटे तौर पर अनुवाद [चीज़/ओस्ट्रोग] ऊपरी याना पर है (व्याकरणिक रूप से, यह केवल एक पुल्लिंग विशेषण है), याना नदी के ऊपरी भाग पर इसकी भौगोलिक स्थिति से लिया गया है। 1775 में, कर संग्रह की सुविधा के लिए इसे याना नदी के बाएं किनारे पर ले जाया गया था। इसे 1817 में शहर का दर्जा दिया गया। एक आबाद इलाके के रूप में, वेरखोयांस्क को जिला स्तर के अधिकार क्षेत्र के तहत एक शहर के रूप में वर्गीकृत किया गया है। प्रशासनिक प्रभागों के ढांचे के भीतर, इसे वेरखोयांस्क जिले के भीतर वेरखोयांस्क शहर के रूप में शामिल किया गया है। एक नगरपालिका प्रभाग के रूप में, वेरखोयांस्क शहर को वेरखोयांस्क शहरी बस्ती के रूप में वेरखोयांस्क नगर जिले के भीतर शामिल किया गया है।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

❒ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

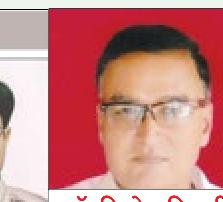

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

देवा भाऊ को मुख्यमंत्री बनाओ: प्रगति पाटिल

> भाजपा महिला मोर्चा ने की गणपति बप्पा की पूजा

नागपुर/ चंद्रपुर.

भाजपा महागंठबंधन के महानायक देवेन्द्र फड़णवीस को भारतीय जनता पार्टी नागपुर महानगर महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रगति पाटिल के नेतृत्व में उन्हें जनता की इच्छा से पुनः महाराष्ट्र की गद्दी पर बैठाने और मुख्यमंत्री बनाने के उद्देश्य से टेकडी के भगवान गणपति मंदिर में महाआरती का आयोजन किया गया। देवेन्द्र फड़नवीस महाराष्ट्र का आधुनिक गौरव हैं और ऐसा लगता है कि पूरे महाराष्ट्र में भाजपा के उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं। महाराष्ट्र की पूरी जनता ने तय कर लिया है कि देवेन्द्र फड़णवीस ही मुख्यमंत्री बनें और भाजपा की महिला विंग ने बड़े आदर भाव से आराध्य देव गणपति बप्पा की महाआरती कर देवा भाऊ को मुख्यमंत्री बनाने की याचना की.

टेकडी के भगवान गणपति मंदिर में महाआरती में चेतना टांक, प्रीती राजदेरकर, निकिता पराये, पूर्व नगरसेविका, मीनाक्षी तेलगोटे वर्षा ठाकरे, डॉ. माधुरी इंदुरकर,शालिनी बुल्ले,मंजुषा भुरे, प्रतिभा वैरागडे,रुपल दोडके,संध्या चतुर्वेदी ,डॉ . कामला मोहता, नीरजा पाटील,वर्षा भड, लता अवधाने, योगिता झारारिया राखी शिंगारे, पूजा पाठक बबिता अवस्थी, भरती चरण,आशा सरांगपूरिया पुष्पा सरांगपूरिया,रजनी माळवी दिपाली अवचट, लक्ष्मी राया, रोशनी सोनी, प्रीती यादव, श्वेता दुमकुंडवार, रंजना प्यारमवार, शांतापंचलवार, श्रीदेवी नायडू, श्वेता ठाकूर, पुनम चौरसिया, राजेश्वरी राव, कल्पना मित्र, स्नेहा मोतियांनी, वर्षा जोसफ, पुष्पा वर्मा , आरती बघेले, मोहिनी अभ्यंकर सहित कई महिला विंग की सदस्या मौजूद रही.

अस्पताल स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार

> आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज

बल्लारपुर

बल्लारपुर ग्रामीण अस्पताल में इलाज के लिए आए एक मरीज ने नर्सों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया और उन पर ईंटें फेंकने की धमकी दी.यह घटना सोमवार 25 नवंबर को बल्लारपुर ग्रामीण अस्पताल में घटी. आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. शांति नगर ग्रामीण अस्पताल के पिछले इलाके में रहने वाले रितिक भीमराव गवई उम्र 23 और थॉमस जोसेफ माइकल उम्र 24 रात 10 बजे मोटरसाइकिल से गिरकर घायल हो गए. वह इलाज के लिए ग्रामीण अस्पताल लाया गया था. इलाज के बाद उसने इलाज कर रही नर्स से अभद्र भाषा में बहस करते हुए गाली-गलौज की. वहां मौजूद सफाईकर्मी की भी पिटाई कर दी. उन्होंने सिक्योरिटी गार्ड को भी धक्का दिया. साथ ही जब आरोपियों को ग्रामीण अस्पताल से बाहर ले गए तो उन्होंने ईंट से हमला कर दिया. उसमें एक महिला सफाई कर्मी के पैर में ईंट लगने से वह घायल हो गयी. जब पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई, तो पुलिस ने आरोपी रितिक भीमराव गवई और थॉमस जोसेफ माइकल शांति नगर निवासी के खिलाफ धारा 132, 351 (2), 296, 121 (1), 3 (5) के तहत मामला दर्ज किया गया है. आगे की जांच पुलिस निरीक्षक सुनील गाडे के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक विक्की लोखंडे द्वारा की जा रही है.

खूंखार बाघ वन विभाग को दे रहा चकमा

> बाघ को पकड़ने के लिए 70 कैमरों से निगरानी

चंद्रपुर.

मूल तालुका के बफर और क्षेत्रीय वन क्षेत्रों में बाघों की संख्या काफी है साथ ही अन्य वन्य प्राणियों की संख्या भी अधिक है. खूंखार बाघ टी-87 का वन विभाग लगातार पीछा कर रहा है. इसलिए वन विभाग को इस बाघ को पकड़ने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

पहले इसकी लोकेशन कभी बफर तो कभी क्षेत्र में होती थी. ऐसे में वन विभाग को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है. अब वन विभाग से पूछने की बारी है कि टी-87 बाघ कहां गया. इस बाघ के लिए दोनों इलाकों में 70 से ज्यादा कैमरे लगाए गए हैं. बाघिन टी-83 ने मूल तालुका में उपद्रव मचा रखा था. इसलिए वन विभाग समेत राजनीतिक दलों ने वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की थी कि खूंखार बाघ का बंदोबस्त किया जाए.

वन विभाग के वरिष्ठ स्तर से पारित आदेश के मुताबिक दो बाघों टी-83 और टी-87 को कैद में रखने का आदेश दिया गया. इनमें से खूंखार बाघिन टी-83 को वन विभाग सितंबर महीने में पकड़ने में कामयाब रहा. हालाँकि, वन विभाग द्वारा टी-87 बाघ की लगातार अनदेखी की जा रही है. लगभग एक महीना हो गया है. बाघ टी-87 को पकड़ने के लिए वन विभाग पूरी ताकत और रणनीति अपना रहा है. इसके लिए क्षेत्रीय वन विभाग के बफर और जंगलों में 70 से ज्यादा कैमरे लगाए गए हैं. रोजाना सत्तर कैमरे चेक किए जा रहे हैं. कभी इस बाघ की लोकेशन बफर में तो कभी क्षेत्र में दिखाई देती है. जहां लोकेशन दिखाई जा रही है. उस जगह पर वन विभाग के कर्मचारी और पूरी टीम उसे पिंजरे में बंद करने की तैयारी कर रही है. हालांकि टी-87 बाघ के लगातार स्थान बदलते जाने से वन विभाग को सफलता नहीं मिल पा रही है. वन विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि बाघ टी-87 बहुत चतुर बाघ है. बाघ टी-87 ने चिचला, दहेगांव, डोनी, जनाला इलाके में आतंक मचा रखा है. बफ़र के कारवान क्षेत्र में बैल को मारने के बाद, टी-87 फिर कभी उस क्षेत्र में दिखाई नहीं दिया. मुल तालुका में बड़ी मात्रा में धान उगाया जाता है. दिवाली खत्म होते ही धान की कटाई का सीजन शुरू हो गया है. इससे किसानों की जान को भी खतरा होने की आशंका है.

एस टी बस और कंटेनर के हादसे में 19 यात्री घायल

> बाम्हनी मांगली फाटा की घटना > घायलों का इलाज ग्रामीण अस्पताल में

नागभीड़.

नागभीड़ से 5 किमी दूर बाम्हनी-मांगली जंक्शन पर एसटी बस और कंटेनर के बीच टक्कर में 19 यात्री घायल हो गए. इसमें राज्य परिवहन मंडल की एक बस को भारी क्षति पहुंची. यह घटना मंगलवार 26 नवंबर को तकरीबन दोपहर 2 बजे घटी. घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है.

एसटी बस एमएच 40 एन 8657 में 22 से 25 यात्रियों को लेकर पवनी से नागभीड आ रही थी. कंटेनर एमएच 40 6459 विपरीत दिशा में नागभीड से कोटगांव की ओर जा रहा था. तलाठी कार्यालय के सामने तेज़ आवाज़ को सुनकर, तलाठी कार्यालय में काम करने वाली तलाठी वृषाली दाचेवार तुरंत बाहर आईं और जैसे ही उन्होंने दुर्घटना देखी, वह घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटना की सूचना नागभीड पुलिस स्टेशन को दी और एम्बुलेंस भेजने को कहा.

नागभीड कृषि उपज बाजार समिति के अध्यक्ष दुर्घटनास्थल पर आए और घायलों को अपने वाहन में ले जाकर इलाज के लिए ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया. बाकी घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया. एक घायल यात्री को चंद्रपुर के एक ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बाकी यात्रियों को हाथ, पैर, आंख पर चोटें आईं और उनका इलाज चल रहा है. सभी खतरे से बाहर हैं. इस बीच, नागभीड पुलिस स्टेशन के थानेदार रमाकांत कोकाटे के मार्गदर्शन में पुलिस ने घटना स्थल में प्रवेश किया और घटना का पंचनामा किया और हादसे की जांच शुरू कर दी गई है. इस बीच राज्य परिवहन निगम के अधिकारी भी पहुंच गये और घटना का पंचनामा बनाया. उक्त घटना में कंटेनर पलट गया है और बस भी काफी हद तक क्षतिग्रस्त हो गयी है.

हादसे में घायलों के नाम

1) रेखा जागेश्वर हेमने (54) नागभीड
2) समीक्षा से प्रमोद सवासा (17) भिवापुर
3) सिंधु किशोर शेंडे (64) नागभीड
4) धर्मराज बागड़े (50) कन्हालगांव
5) प्रमोद दयाराम (53) अडयाल
6) शालू खुशाल हुमाने (45) धामानी
7) रूद्र मगरे(14) चांदी
8) जयराम पुंडे (70) वरोरा
9)कुलदीप पाथोडे (18) डोंगरगांव
10) संघरत्न बागड़े (21) कन्हालगांव
11)पीतांबर नागपुरे (55) कन्हालगांव
12) सुजाता गार्मले (48) सिल्वर
13) वनिता यशवन्त बारेकर (32) नवाखला
14) भारती प्रमोद सवासा (40) किनापुर
15) वैष्णव राजेंद्र गायकवाड़ (16) चांदी
16) प्रणाली खुशाल हुमणे (20) बाम्हनी
17) कमला बाबूराव दड़मल (65) कन्हालगांव
18) बाबु राब देवारी दड़मल (72) कन्हलगांव
19) मादेश माधव पाथोड़े (45) डोंगरगांव

बाघ की लड़ाई में आठ साल के बाघ की दर्दनाक मौत ?

> मध्य चांदा वनमंडल के चिवंडा बिट का हादसा

राजुरा, संतोष कुंदोजवार

सोमवार दोपहर कोठारी वन क्षेत्र के करंजी उपक्षेत्र अंतर्गत चिवंडा क्षेत्र में कक्ष क्रमांक 138 में सात से आठ साल की बाघिन का शव मिला। इससे वन विभाग में सनसनी मच गई।

घटना हुई थी जहां चिवांडा के कमरा नंबर 138 में एक बाघ ने एक घरेलू जानवर पर हमला किया और उसे मार डाला। उसी रात, शिकार करने वाला बाघ और लगभग आठ वर्षीय मादा बाघिन मृत शिकार पर झपटने के लिए एक साथ आए होंगे। इसमें नर बाघ ने बाघ पर हमला कर दिया. वन विभाग का अनुमान है कि बाघ-बाघिन के बीच जमकर लड़ाई हुई और बाघिन की दर्दनाक मौत हो गयी होगी. वह स्थान जहाँ घरेलू पशुओं को रखा जाता है। जो उसी घटनास्थल के पास एक बाघ शावक मृत पाया गया। माना जा रहा है कि मृत बाघ लगभग सात से आठ साल की मादा है। करंजी क्षेत्र के अंतर्गत मृत पालतू जानवरों की मौके पर जांच के लिए चिवांडा में सेल नं. 137 में मंगलवार दोपहर जब गए तो बाघ को मृत पाया। उन्होंने कोठारी वन परिक्षेत्र अधिकारी मुरकुटे को सूचित किया। वन अधिकारी तुरंत काफिले के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी. मृत बाघों को चंद्रपुर स्थानांतरित कर दिया गया। बताया गया है कि पोस्टमार्टम के बाद चंद्रपुर में उनका अंतिम संस्कार किया गया। वन विभाग द्वारा इस तरह की गोपनीयता बनाए रखने को लेकर तर्क-वितर्क का अनुमान लगाया जा रहा है।

पोरला के जंगल में जंगली हाथीयो का झुंड घुसा

आरमोरी: पोरला वन परिक्षेत्र के आनंदनगर में रविवार को जंगली हाथियों का झुंड क्षेत्र में घूमता नजर आया. हालांकि हाथियों ने इस इलाके में फसलों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाया है, लेकिन इलाके के किसानों में डर का माहौल है. आरमोरी तहसील के पोरला वन क्षेत्र में पिछले एक महीने से जंगली हाथी आतंक मचा रहे हैं. ये हाथी आठ दिन पहले देलोडा क्षेत्र में थे। चार दिन पहले वसा, आनंदनगर इलाके में हाथियों का झुंड आ गया था. इसके बाद चुरमुरा में कुछ किसानों के धान के खेत उखाड़ दिए और एक किसान का सोलर फार्म पंप तोड़ दिया. इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है.

किसान संभावना जता रहे थे कि हाथियों का झुंड अरमोरी तालुका की ओर देउलगांव क्षेत्र में प्रवेश करेगा; पर वह नहीं हुआ। हाथियों ने आनंदनगर के पास जंगल में डेरा जमा लिया। रविवार को यह झुंड इसी इलाके में था.

विभिन्न पुरस्कार : 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के लिए अवसर

गढ़चिरोली.

खेल और युवा सेवा निदेशालय पुणे जिला खेल अधिकारी कार्यालय और जिला खेल परिषद, नेहरू युवा केंद्र और एनएसएस, गढ़चिरौली के सहयोग से जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

महोत्सव 30 नवंबर को सुबह 9 बजे से जिला खेल परिसर, खेल एवं सांस्कृतिक भवन में आयोजित किया जाएगा।

इस वर्ष के महोत्सव का विषय 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार' है। इस वर्ष प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय दक्षता प्राप्त करने वाले प्रतिभागी युवक एवं युवतियों को कार्यालय की ओर से नकद पुरस्कार दिये जायेंगे एवं भाग लेने वाले युवक एवं युवतियों को कार्यालय की ओर से प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे। कार्यालय। अपने प्रवेश की पुष्टि करें और अधिक जानकारी के लिए जिला खेल अधिकारी भास्कर घटाले ने एस. बी बड़केलवार से संपर्क करने की अपील की है.

यह भव्य उत्सव छात्रों को उनकी छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए उपलब्ध होगा।

कौन भाग ले सकता है...

युवा महोत्सव में 15 से 29 वर्ष के युवा भाग ले सकते हैं। उनकी उम्र 12 जनवरी 2025 तक इस श्रेणी में फिट होनी चाहिए। प्रतियोगिता में भाग लेने वाला युवा जिले का निवासी होना चाहिए। व्यक्तिगत या स्कूल, कॉलेज, संस्थान में प्रवेश आवेदन पत्र एथलीटों के पूर्ण विवरण के साथ जिला खेल अधिकारी के कार्यालय में जमा किये जाने चाहिए। प्रवेश की पुष्टि 29 नवंबर तक होनी चाहिए।

इन कला रूपों में शामिल हैं...

जिला स्तर पर युवा महोत्सव में भाग लेने वाले युवाओं के लिए उनकी कला के अनुसार प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। युवा महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में समूह लोक नृत्य, वैयाविट्टा एकल लोक नृत्य, लोक गीत, व्यक्तिगत एकल लोक गीत, कहानी लेखन में कौशल विकास, चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता (अंग्रेजी और हिंदी), कविता, युवा कार्रवाई शामिल हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत हस्तशिल्प, कपड़ा, कृषि उत्पाद जैसे कला रूप शामिल हैं।

वडसी-गोंडेडा क्षेत्र में बाघ का महिला पर हमला

> किसानों की बढ़ी परेशानी
> पूरे इलाके में भय का माहौल
> वनविभाग ने बाघ को खदेडा

नेरी. नेरी के पास वडसी-गोंडेडा क्षेत्र में एक बड़ा पट्टेदार बाघ घूम रहा है और कई किसानों ने इसे देखा है, 23 नवंबर को इसने खेत पर जा रही एक महिला पर हमला किया और घायल कर दिया. वनविभाग द्वारा कैमरे लगाकर और गश्त करके जनता को सुरक्षा प्रदान की जा रही है.

पिछले कुछ दिनों से ताड़ोबा बाघ परियोजना का एक बाघ वडसी गोंदेडा के आसपास के परिसर में नजर आ रहा है. इस बाघ ने गाय, बैल और बकरियो का अब तक शिकार किया था. जिससे वनवभिभाग ने बाघ का बंदोबस्त करने के लिए वनकर्मियों को नियुक्त कर निगरानी रखी और पटाखे फोडकर बाघ को जंगल की ओर खदेडने का प्रयास किया. परंतु बाघ ने अपना ठिकाना नहीं छोडा.

23 नवंबर को खेत में जा रही मंदाडे नामक महिला पर अचानक हमला कर उसे बुरी तरह से घायल कर दिया. उसने चीखपुकार मचाकर आसपास के लोगों को एकत्रित किया जिससे उसकी जान बच गई.

इस घटना की जानकारी वनविभाग को मिलते ही तत्काल महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भरती किया गया. इस घटना के कारण परिसर में भय का वातावरण है. इस बीच वनविभाग तलोधी बालापुर के वनपरिक्षेत्र अधिकारी कन्नमवार के मार्गदर्शन में क्षेत्र सहायक अधिकारी रासेकर के नेतृत्व में 15 लोगों का गश्त पथक नियुक्त कर परिसर में गश्त बढाई गई नागरिकों को सावधान रहने का इशारा दिया गया है. वनरक्षक वडझे और पाटिल ने लोगों को खेतों में अकेले ना जाते हुए समूह के साथ जाने की सलाह और मार्गदर्शन किया है. बाघ पर वनविभाग की निगरानी रखी जा रही है.

आचार संहिता के दौरान अवैध शराब की 110 और एनडीपीएस की चार कार्रवाई में अपराध दर्ज

> शहर पुलिस की कड़ी कार्रवाई > 23 लाख का माल जब्त

चंद्रपुर.

जिला पुलिस अधीक्षक ने सभी थानेदारों को विधानसभा चुनाव के दौरान कानुन -व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए थे. इसके अनुसार शहर पुलिस ने आचार संहिता अवधि के दौरान अवैध शराब की 110, एनडीपीएस की चार, सुगंधित तंबाकू की 2 कार्रवाई कर कुल 23 लाख 5 हजार 50 रुपए का माल जब्त कर आरोपियों को हवालात में बंद कर दिया है. इस कार्रवाई से जिले के अपराधीयों में पुलिस का खौफ बैठ गया है.

विधानसभा चुनाव की घोषणा के पश्चात चुनाव शांतता में होने हेतु शहर पुलिस स्टेशन की पुलिस निरीक्षक प्रभावति एकुरके ने आरोपीयों की धरपकड शुरू की थी. 15 अक्टुबर से 20 नवम्बर के दौरान अवैध शराब की 110 कारवाई कर 11 लाख 59 हजार 240 रूपए के शराब समेत 11 लाख 12 हजार रूपए का माल जब्त कर लिया. तो एनडीपीएस की चार कार्रवाई कर 2 लाख 12 हजार 60 रूपए की नशीली वस्तुएं जब्त आरोपीयों को बंदी बनाया. 57 हजार 405 रूपए का सुगंधित तंबाकु जब्त किया.

यह सभी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मुमक्का सुदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीना जनबंधु, उपविभागीय पुलिस अधिकारी सुधाकर यादव के मार्गदर्शन में शहर पुलिस स्टेशन की पुलिस निरीक्षक प्रभावती एकुरके के नेतृत्व में एपीआई नीलेश वाघमारे, पुलिस उपनिरीक्षक संदीप बच्छिरे, विष्णु नागरगोजे, देसरकर, कपूरचंद आदि द्वारा की गईं.

देशी कट्टा समेत पीतल की गोली व कारतूस जब्त

आचार संहिता लागू होते ही शहर थाने के अधिकारियों व कर्मचारियों की टीमें ऑन रिकार्ड अपराधियों की तलाश में जुट गयी हैं. इसके अनुसार पीतल की गोली, पांच जिंदा कारतूस, लोहे का देशी कट्टा, दो तलवार, फाइटर, चाकू मोसा, कोयता, आर्म्स एक्ट की कुल नौ कार्रवाई में 80 हजार 620 रुपये की सामग्री जब्त की गयी.

चंद्रपुर के शातिर 100 अपराधी स्थानबध्द

चुनाव के दौरान कोई भी गैरकानूनी काम न हो, मतदान के दौरान विवाद करना, हाथापाई करना, प्रक्षुब्ध भाषण कर कानून एवं सुव्यवस्था बिघाडने जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु शहर पुलिस ने चुनाव के अधिकार को बरकरार रखते हुए 100 अपराधियों को तीन दिनों तक हिरासत में रखा था. जिन पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. यह जिले की सबसे बड़ी कार्रवाई थी. शांतिपूर्ण मतदान एवं मतगणना के लिए चंद्रपुर शहर पुलिस के अभियान के बाद शहर थाना क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ. यह भी देखने को मिला कि वोटों की गिनती शांतिपूर्ण तरीके से हो गई.

ट्रैक्टर ट्रॉली हादसे में युवक की ट्रॉली से गिरकर मौत

नागभीड़.

मंगलवार को धान की बोरियों से लदी चलती ट्रैक्टर ट्रॉली से गिरकर तलोधी बालापुर थाना अंतर्गत सावरगांव के एक युवा खेत मजदूर की मौत की घटना सामने आयी है. 26 नवंबर सुबह 9 बजे की बात है, मृतक युवक का नाम देवीदास पुंडलिक बोरकर उम्र 35 है और वह सावरगांव का रहने वाला है. सावरगांव के ट्रैक्टर मालिक-चालक बाबूराव ऋषि ठिकरे के ट्रैक्टर पर धान की बोरियां खेत से गांव की ओर लायी जा रही थी चंद्रपुर-नागभीड-नागपुर मार्ग पर सावरगांव में बायपास रोड के पास ट्रैक्टर ट्रॉली एमएच 35 एफ 1016 का 'हीच' टूट जाने के कारण एक बोरी पर बैठा युवा खेत मजदूर देविदास पुंडलिक बोरकर ट्रॉली के नीचे गिर गया. इस दौरान सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. तलोधी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मोक्का पंचनामा किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए नागभीड ग्रामीण अस्पताल भेज दिया.

दो मालवाहक जीपों में 23 गोवंश जप्त

2 की रास्ते में ही मौत

जिमलगट्टा.

24 नवंबर को पुलिस की मिली गुप्त जानकारी से पता चला कि दो मालवाहक जीपों में 23 जानवरों को ले जाया जा रहा था।इसके बाद पुलिस द्वारा जांच करने पर से दो ठूंस ठूंस कर भर कर 23 जनवरोको ले जा रही दो पिकअप गाड़ियों को पकड़ा गया।

यह कार्रवाई जिमलगट्टा (अहेरी) पुलिस ने की.इस दौरान दोनों वाहनों के चालक भाग खड़े होने में सफल हो गए।

जिमलगट्टा के टी-प्वाइंट से दो मालवाहक जीपों में गाय बैलों की तस्करी होने की सूचना मिलने के बाद उपाधीक्षक शशिकांत दासुरकर ने कार्रवाई का आदेश दिया। आलापल्ली-सिरोंचा मार्ग पर दो मालवाहक जीपें (टीएस 02 यूडी 6881) और (टीएस 20 टी 9223) खड़ी थीं। जैसे ही पुलिस वहां पहुंची, दोनों वाहनों के चालक भाग गये. इसके बाद गाड़ी की जांच की गई और उसे ठाणे ले जाया गया. 23 जानवर जीवित पाए गए जबकि दो जानवर रस्सी से कसकर बंधे होने के कारण मृत पाए गए। पशु और वाहन समेत करीब 7 लाख 74 हजार रुपये का सामान जब्त किया गया. जिमलगट्टा पुलिस स्टेशन में पुलिस कांस्टेबल गणेश नागरे की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 325 (3) (5) के साथ धारा 5 (ए) महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम 1995 और 11 (1) (डी) (ई) क्रूरता पशु अधिनियम 1960 के तहत दो अज्ञात वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

एक बार फिर सामने आया तेलंगाना कनेक्शन...

अहेरी से सटा सिरोंचा तहसील तेलंगाना राज्य की सीमा से सटा हुआ है। इन दोनों तालुकाओं से एक गिरोह सक्रिय है जो बड़ी मात्रा में जानवरों को तेलंगाना के बूचड़खानों में भेजता है। तेलंगाना कनेक्शन पहले भी सामने आया था. लेकिन, ठोस कार्रवाई नहीं हो पाने की वजह से तस्करों का आतंक बढ़ता दिखाई दे रहा हैं।

यौन शोषण मामले में 'पुष्पा' फेम एक्टर श्रीतेज के खिलाफ केस दर्ज

पीड़िता ने लगाए आरोप...

साउथ सिनेमा के सितारे अल्लू अर्जून की फिल्म 'पुष्पा' से सुर्खियों में आए टॉलीवुड एक्टर श्रीतेज पर महिला का शारीरिक और आर्थिक शोषण करने का आरोप लगा है. इस मामले में पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर हैदराबाद के कुकटपल्ली पुलिस स्टेशन में एक्टर के खिलाफ आईपीसी की धारा 69, 115(2) और 318(2) के तहत जीरो एफआईआर दर्ज की गई है. पुलिस इस मामले की जांच कर रही है. पीड़ित महिला की शिकायत के अनुसार, एक्टर श्रीतेज ने उसे शादी का वादा किया था, जिसकी वजह से वो उनके साथ रिश्ते में आई गई. इसके बाद उसने उसका भावनात्मक, शारीरिक और आर्थिक शोषण किया. इस दौरान आरोपी ने उससे 20 लाख रुपए भी लिए. पीड़िता का ये भी दावा है कि उसके साथ रिश्ते में होने के बावजूद एक्टर एक अन्य महिला के साथ भी संबंध में था. उन दोनों सात साल का बेटा भी है. पीड़िता ने अप्रैल 2024 में पहली बार श्रीतेज के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. लेकिन उनके परिवार से आश्वासन मिलने की वजह से उसने शिकायत वापस ले ली थी. इसी बीच अर्चना के पति को अपनी पत्नी और श्रीतेज के संबंधों का पता चल गया. वो इतने सदमें आ गए कि उनकी मौत हो गई. पीड़िता का ये भी दावा है कि माधापुर पुलिस स्टेशन में पहली शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं हुई थी. बताते चलें कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री में पिछले दिनों कई लोगों पर महिलाओं के यौन शोषण का आरोप लगा था. महिला कलाकारों के यौन शोषण की शिकायत सामने आने के बाद केरल सरकार ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाया था. यौन शोषण के आरोपों के चलते मलयालम सिनेमा की दो प्रमुख हस्तियों एक्टर सिद्दीकी और निर्देशक रंजीत ने अपने पदों से इस्तीफा भी देना पड़ा था. जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट में मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ हुए उत्पीड़न और शोषण के मामलों का खुलासा किया गया था.

एक मलयालम एक्ट्रेस ने एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट के महासचिव सिद्दीकी पर यौन शोषण का आरोप लगाया था. इसके बाद उन्होंने महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था. उन्होंने आधिकारिक तौर पर एएमएमए अध्यक्ष मोहनलाल को अपना इस्तीफा सौंपा था. एक पीड़ित एक्ट्रेस ने अपने साथ हुई एक घटना के बारे में बताया था, जिसमें उसने कहा था, ''ये किस्सा एक मलयालम फिल्म के दौरान का है, जो नीला थिएटर में दिखाई जा रही थी. उन्होंने मुझे फिल्म के बारे में बात करने के लिए मैस्कॉट होटल में बुलाया था. बातचीत के दौरान उन्होंने मुझे प्यार से बेटी कहा, लेकिन वो मेरे साथ गलत हरकत कर रहे थे. मुझे बिल्कुल एहसास नहीं था कि उनके मन में क्या चल रहा है.'' 'मैं प्रोफेशनल मीटिंग के लिए उस होटल में गई थी. मुझे अंदाजा नहीं था कि वहां मेरे साथ ये सब होगा. जब मैं बड़ी हुई तो मुझे एहसास हुआ कि ऐसी कोई फिल्म बनी ही नहीं. होटल में उसने मेरा यौन शोषण किया. ये सब मुझे फंसाने की साजिश थी. उसने जो भी कहा कि सब झूठ था. मेरी तरह बहुत से लोग हैं, जिनका यौन शोषण हुआ और आज वो जीवित हैं. मुझे पता है कि मैं मीडिया में क्या बोल रही हूं'' ''उसने मेरी इजाजत के बिना मुझे छुआ. विरोध करने पर उसने मुझे लात मारी. वो एक अपराधी है. वो एक झूठी जिंदगी जी रहा है. उम्मीद करती हूं कि उसके घर में एक शीशा होगा, जिसमें वो खुद को देख सकता होगा. यदि नहीं होगा, तो मुझे उसे गिफ्ट करने में काफी खुशी होगी. ताकि वो अपना असली चेहरा देख सके.'' इन्हीं आरोपों के बाद सीनियर एक्टर सिद्दीकी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था.

बॉक्स ऑफिस पर भूचाल ला देंगीं ये 9 बायोपिक फिल्में

आज के दौर में किसी भी फिल्म के सफल होने का फॉर्मुला एक ही है. उसका बॉक्स ऑफिस पर चलना. अगर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर ले जाती है तभी उसकी पूछ है नहीं तो उस फिल्म का अच्छा-खराब होना व्यर्थ है. अच्छी से अच्छी फिल्म भी अगर कमाई नहीं कर पा रही है तो कई मायनों में इसे फिल्म की विफलता ही माना जाएगा. पैमाने सेट कर दिए गए हैं. 100 करोड़, 500 करोड़, 1000 करोड़. लेकिन ये पैमाने ऐसे नहीं बने. दर्शक फिल्में एंजॉय कर रहे हैं, एंटरटेन हो रहे हैं. वे आज की फिल्मों को पसंद कर रहे हैं. तभी तो ओटीटी के दौर में भी हर साल फिल्में 1000 करोड़ या उससे ज्यादा भी कमा ले जा रही हैं. कुछ कैटेगिरीज फैंस की पसंदीदा बन गई हैं. जैसे फिलहाल तो माहौल हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का है. लेकिन इसके अलावा पिछले एक दशक में कई सारी सक्सेसफुल फिल्में बायोपिक की भी रही हैं.

पिछले कुछ वक्त से बायोपिक फिल्मों और सीरीज की अधिकता बढ़ी है और पॉजिटिव रिस्पॉन्स भी मिला है. और अब तो आलम ये है कि इस जॉनर की कई सारी फिल्में आ रही हैं. बायोपिक मूवीज की बाढ़ आने जा रही है. आइये जानते हैं कि कौन सी है वो बायोपिक फिल्में जो आने वाले समय में रिलीज होंगी. कुछ तो ओटीटी पर स्ट्रीम भी हो सकती हैं. इन फिल्मों में तो कुछ का बजट काफी तगड़ा है. ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि आनेवाले समय में वो 9 बायोपिक फिल्में दस्कत देंगी जिनके करोड़ों रुपये दांव पर लगे हैं.

इस फिल्म का इंतजार तो फैंस को काफी समय से है. कई बार इस फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोन किया जा चुका है. कंगना रनौत इस फिल्म को लेकर काफी सचेत हैं साथ ही वे अपनी अन्य जिम्मेदारियों में भी व्यस्त हैं. ऐसे में यही इस फिल्म के डिले होने की बड़ी वजह रही है. अब इस फिल्म की नई रिलीज डेट भी आ गई है.17 जनवरी 2025 को इंदिरा गांधी की बायोपिक जनता के सामने पेश की जाएगी.

राजा शिवाजी: इस फिल्म की भी अनाउंसमेंट कर दी गई है. फिल्म की खास बात ये है कि इसका निर्देशन रितेश देशमुख कर रहे हैं. वे इस फिल्म के लीड एक्टर भी होंगे और छत्रपति शिवाजी महाराज का रोल प्ले करते नजर आएंगे. इस हिस्टोरिकल ड्रामा फिल्म को साल 2025 में रिलीज किया जा सकता है.

चगदा एक्सप्रेस: चकदा एक्सप्रेस की बात करें तो ये फिल्म इंडियन वुमन क्रिकेट टीम की प्लेयर झूलन गोस्वामी की लाइफ से इंस्पायर्ड है. फिल्म काफी समय से रिलीज का इंतजार कर रही है लेकिन अभी तक आ नहीं पाई है. अनुष्का शर्मा की पर्सनल लाइफ को भी इसकी वजह माना जा रहा है. फिल्म की बात करें तो इसे दिसंबर 2024 में रिलीज करने की तैयारी है.

छावा: ये एक हिस्टोरिकल ड्रामा फिल्म है जिसमें विकी कौशल लीड रोल में नजर आएंगे. फिल्म में विकी कौशल छत्रपति सांभाजी महाराज का किरदार प्ले करेंगे. सांभाजी की बात करें तो वे छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे थे. फिल्म में विकी के अपोजिट रश्मिका मंदाना नजर आएंगी. फिल्म 6 दिसंबर 2024 को रिलीज होगी.

देश के सबसे पॉपुलर एक्टर बने प्रभास

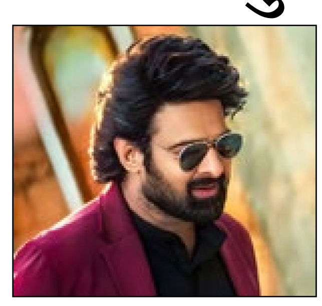

औरमैक्स की मोस्ट पॉपुलर मेल एक्टर्स की जो लिस्ट सामने आई है, वो हैरान करने वाली है. 45 साल के एक सुपरस्टार ने बड़े-बड़े खान की हेकड़ी निकाल दी है. इंडियन सिनेमा में ऐसे कई कलाकार हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग सिर्फ देश में ही नहीं विदेश में भी है. हाल ही में औरमैक्स की मोस्ट पॉपुलर मेल की एक लिस्ट शेयर की है, जिसमें 10 बड़े स्टार्स का नाम शामिल हैं और नंबर वन पर पैन इंडिया स्टार शामिल है. औरमैक्स की मोस्ट पॉपुलर मेल एक्टर्स की जो लिस्ट सामने आई है. उसमें सिर्फ 2 बॉलीवुड स्टार्स शामिल हैं. एक नंबर 3 पर और दूसरे को 10वां नंबर मिला है. जिस एक्टर लिस्ट में पहला नंबर मिला है वो कोई और नहीं बल्कि साउथ स्टार प्रभास हैं, जिन्होंने बॉलीवुड के बड़े बड़े दिग्गजों को पॉपुलैरिटी के मामले में पीछे छोड़ दिया है. प्रभास की पॉपुलैरिटी की बात करें तो उन्होंने पहली बार सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी फिल्म 'बाहुबली' से मिली थी. प्रभास को आखिरी बार दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में देखा गया था. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बेहद शानदार कमाई की. प्रभास ने साल 2002 में ईश्वर फिल्म से डेब्यू किया था. सुपरस्टार प्रभास ने अब तक लगभग 23 फिल्में की हैं.

जिनमें 8 ब्लॉकबस्टर रहीं तो वहीं, 8 फ्लॉप और अन्य फिल्मों में कुछ एवरेज, कुछ हिट और कुछ सुपरहिट रही हैं. प्रभास की अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट बेहद लंबी है, जिनमें 'द राजा साब', 'कनप्पा', 'स्पिरिट', 'कल्कि-2' और 'फौजी' शामिल हैं. इस लिस्ट में दूसरा नाम थलापति विजय का है. साउथ के इस सुपरस्टार की भी फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है. हाल ही में उनको फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम्स' में देखा गया था. थलापति विजय भी हिट का गारंटी माने जाते हैं.

सलमान ने की महेश पर टिप्पणी

सलमान खान का मोस्ट कंट्रोवर्शियल शो बिग बॉस 18 इन दिनों चर्चा में बना हुआ है. हाल ही में शो में वीकेंड का वार देखने को मिला है. जिसमें सलमान खान ने घर के लोगों से कई सारी बातें की है. दरअसल, उन्होंने शो में तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू का नाम लिया है. उन्होंने नाम लेने के साथ कई लोगों के साथ उनका नाम भी जोड़ा है. महेश बाबू की शादी शिल्पा शिरोडकर की बहन नम्रता शिरोडकर से हुई थी.

दरअसल, शो में सलमान खान ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन के बीच का अंतर समझा रहे थे. सलमान ने कहा- शिल्पा आपके जीजाजी महेश बाबू स्क्रीन पर जैसे हैं, वैसे वो रियल लाइफ में नहीं हैं. वो एक स्क्रीन का जो एक पोस्चर है, एक जो भागने का स्टाइल है, एक एक्शन है, एक लुक है!

वो एक एटीट्यूड दिखता है. लेकिन रियल लाइफ में मैं तो हूं नहीं! जब सलमान खान ने महेश बाबू के बारे में ऐसे बात की, तो शिल्पा का काफी ज्यादा प्राउड फील हो रहा था. शिल्पा की बहन नम्रता शिरोडकर की शादी महेश बाबू से हुई है. उनकी शादी को 19 साल हो गए हैं. हालांकि महेश और नम्रता ने शिल्पा को सपोर्ट करने के लिए कभी भी पब्लिक बात नहीं की है. लेकिन एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी बहन और जीजाजी को उन पर काफी ज्यादा गर्व है और वो उनके साथ खड़े हैं. वह दोनों ही मेरे लिए बहुत खुश हैं. उन्हें मुझ पर बहुत गर्व है और वे बस इतना जानते हैं कि मैं जो भी करूंगी, खुद ही करूंगा. वे मेरा काफी ज्यादा साथ देते हैं.

बॉलीवुड के नेपोटिज्म पर खुलकर बोली कृति

कृति सेनन अपनी फिल्म 'दो पत्ती' की सफलता का जश्न मना रही हैं, लेकिन इसी बीच कृति सेनन गोवा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हिस्सा लेने पहुंची और उस दौरान उन्होंने बॉलीवुड में नेपोटिज्म की लड़ाई पर खुलकर बात की। कृति सेनन ने बताया कि बॉलीवुड में नेपोटिज्म की लड़ाई मीडिया की उपज है, क्योंकि मीडिया में नेपो किड्स के बारे में बातें की जाती है, लोग नेपो किड्स के बारे में सुनना चाहते हैं और फिर निर्माता उन्हें लेकर फिल्म बनाते हैं और यह पूरा सर्कल चलता रहता है। कृति ने अगर आप टैलेंटेड है तो आपको बॉलीवुड में न सिर्फ काम मिलेगा, बल्कि आपकी पहचान भी बन जाएगी।बॉलीवुड में नेपोटिज्म की लड़ाई को उन्होंने मीडिया की उपज बताया और कहा कि मीडिया जब नेपो किड्स के बारे में बात करती है, तो लोग उनके बारे में जानते हैं और जब लोग उनके बारे में जानते हैं तो लोग उनके बारे में सवाल करते हैं और इसी के बाद निर्माता नेपो किड्स को लेकर फिल्में बनाते हैं और यह सर्कल इसी तरह चलता रहता है। लेकिन अगर आप काबिल हैं तो आप अपनी काबिलियत साबित करते हैं, वक्त लगता है लेकिन आपको मंजिल मिल जाती है। बता दे कि एक्ट्रेस बनने से पहले उन्होंने मॉडलिंग की साल 2014 में तेलुगु फिल्म से उन्होंने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। बॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर श्रॉफ के साथ हीरोपंती थी। जिसके बाद वह बरेली की बर्फी, लुकाछिपी, हाउसफुल 4 और आदि पुरुष जैसी बेहतरीन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

एक्टर से मिले धोखे पर छलका शिल्पा का दर्द

बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेस में से एक शिल्पा शेट्टी ने अपने एक्टिंग करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है. एक्ट्रेस ने शाहरुख खान और काजोल के साथ फिल्म बाजीगर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. एक्ट्रेस ने फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. अपने करियर के अलावा शिल्पा पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब चर्चा में रही हैं. एक्ट्रेस का एक्टर अक्षय कुमार के साथ रिलेशनशिप भी काफी सुर्खियों में रहा था. शिल्पा ने एक्टर पर धोखा देने का आरोप लगाया था, इतना ही नहीं उन्होंने ये तक कह दिया था कि एक्टर ने उनका इस्तेमाल किया है. शिल्पा शेट्टी और अक्षय की लव स्टोरी किसी से छिपी नहीं है. हर न्यूज और मैगजीन में दोनों की लव स्टोरी के चर्चे सुनने को मिलते थे. दोनों की प्यार की कहानी साल 1994 में आई फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' के सेट से शुरू हुई थी. दोनों ने सुपरहिट फिल्म धड़कन में भी एक साथ काम किया है. लेकिन साल 2000 में दोनों के इस रिश्ता का एंड बुरे नोट पर हुआ था. अक्षय कुमार पर एक साथ दो लड़कियों को डेट करने का गंभीर आरोप लगा.

शलिपा शेट्टी ने तो इंटरव्यू में ऑन रिकॉर्ड अक्षय कुमार पर ये संगीन आरोप लगाए थे. शिल्पा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि जब अक्षय उनके साथ रिलेशन में थे, तभी वह किसी और एक्ट्रेस को भी डेट कर रहे थे. एक्ट्रेस ने कहा- 'अक्षय कुमार ने मुझे यूज किया. जब कोई और मिल गई तो उन्होंने बड़ी आसानी से मुझे छोड़ दिया. वह और सिर्फ वही एकमात्र इंसान हैं, जिससे मैं खफा हूं, क्योंकि उन्होंने मुझे धोखा दिया. मुझे पूरा भरोसा है कि समय इसका हिसाब रखेगा. अक्षय ने जो किया है, एक न एक दिन वह उनके साथ भी होगा.

विजय वर्मा संग सात फेरे लेंगी तमन्ना

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और एक्टर विजय वर्मा काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. ये कपल अक्सर एक साथ नजर आता है. हाल ही में खबर आई थी कि दोनों अपने लिए नया घर देख रहे हैं. इसके बाद से कहा जाने लगा कि तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा जल्द ही शादी करने वाले हैं और इसके लिए तैयारी कर रहे हैं. हालांकि, दोनों की तरफ से अभी कुछ नहीं कहा गया है. अपने रिश्ते को लेकर बात करने में बिल्कुल भी नहीं कतराते वाले तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एक बार चर्चा में आ गए हैं. दरअसल, तमन्ना भाटिया अपनी शादी को लेकर हिंट दिया है. तमन्ना भाटिया ने एक इंटरव्यू के दौरान शादी को लेकर बात की है. शादी को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा, 'मैं अभी लाइफ में बहुत खुश हूं. शादी भी हो सकती है, क्यों नहीं?' तमन्ना भाटिया ने कहा, 'शादी के बाद उनके काम पर कोई नहीं पड़ेगा. मेरे लिए शादी और करियर का कोई कनेक्शन नहीं है. मैं बहुत महत्वाकांक्षी हूं, मैं शादी के बाद अपनी एक्टिंग करती रहूंगी.' विजय वर्मा के साथ फिर से काम करने के सवाल पर तमन्ना भाटिया ने कहा, 'क्यों नहीं?

अक्षरा सिंह का नया अवतार उड़ा रहा गर्दा

एक्ट्रेस अक्षरा सिंह इन दिनों अपने नए लुक को लेकर जबरदस्त चर्चा में बना हुई है जो उनकी नई फिल्म का है। अब उनकी इस नई मूवी का ट्रेलर रिलीज होते ही छा गया है। तीन दिन पहले सामने आया ये धमाकेदार वीडियो सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है। एक्ट्रेस हमेशा सोशल मीडिया के जरिए फैंस को अपनी लाइफ से जुड़ी छोटी-बड़ी अपटेड शेयर करती रहती है। अक्षरा सिंह की नई भोजपुरी फिल्म का ट्रेलर देख आप भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। इस वीडियो को अब तक इंस्टाग्राम पर 15 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं।

अपनी पर्सनल ही नहीं बल्कि प्रोफेशनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में बनी रहने वाली अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं ये ट्रेलर एक्ट्रेस के लुक की वजह से लोगों के बीच चर्चा में बना हुआ है। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर 'जानू आई लव यू' का जो वीडियो शेयर किया है। उसमें अक्षरा तीखे तेवर दिखाते नजर आ रही हैं। उनका यह अंदाज किसी नेता जैसा लग रहा है, जैसे कि वह अपनी चुनावी जीत पर जनता का आभार जता रही हों।

अक्षरा के साथ इस फिल्म में विक्रांत सिंह नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अनुराग मिश्रा ने किया है। फिल्म के अलावा अक्षरा सिंह अपने नए गाने को लेकर भी चर्चा में हैं। एक्ट्रेस का गाना 'कहे तो से सजना' रिलीज हुआ है। अक्षरा की नई फिल्म का नाम 'जानू आई लव यू' है जो भोजपुरी भाषा में रिलीज होने वाली है। ये फिल्म वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स चैनल पे आ गई है। इस फिल्म के ट्रेलर में एक्ट्रेस का दमदार लुक देख आपकी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'हम आज के युग के नारी हई सीता भी हम और दुर्गा भी...

मलाइका की जिंदगी में हुई प्यार की एंट्री

बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से हमेशा लाइमलाइट में बनी रहती हैं. मलाइका की पहली शादी अरबाज खान के साथ हुई, लेकिन दोनों का साल 2017 में तलाक हो गया. इसके बाद मलाइका अर्जुन कपूर संग रिश्ते में आई, लेकिन दोनों का ब्रेकअप हो चुका है. अब तक मलाइका सिंगल अपनी लाइफ बिता रही थीं, लेकिन लगता है कि अब ऐसा नहीं है. मलाइका अरोड़ा ने एक पोस्ट शेयर किया है, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि मलाइका की जिंदगी में नए प्यार की एंट्री हो गई है. मलाइका ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट एक स्टोरी शेयर की है, जिसे देख फैंस हैरान रह गए हैं. इस स्टोरी को देखने के बाद ही फैंस के मन में 100 तरह के सवाल आने लगे हैं. इस स्टोरी में लिखा है, 'अभी का मेरा स्टेटस...' इसके साथ मलाइका ने तीन ऑप्शन दिए हैं.

वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी को 16.10 करोड़ का नुकसान

> चेन्नई सुपर किंग्स ने खरीदा

नई दिल्ली.

आईपीएल 2025 में एक ओर जहां ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ियों की लॉटरी लग गई, वहीं दूसरी ओर कुछ खिलाड़ी ऐसे भी रहे जिन्हें करोड़ों का नुकसान हो गया.ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं सैम कर्रन जिन्हें जेद्दा में हुई ऑक्शन में तगड़ा नुकसान हो गया. सैम कर्रन को आईपीएल 2025 ऑक्शन में सिर्फ 2.40 करोड़ रुपये मिले. सैम कर्रन अब चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलेंगे. सैम कर्रन को इस ऑक्शन में बिकने की खुशी तो होगी लेकिन उससे ज्यादा उन्हें गम होगा क्योंकि उन्हें बहुत कम रकम मिली है. सैम कर्रन ने आईपीएल में अबतक 59 मैचों में 25 से ज्यादा की औसत से 883 रन बनाए हैं. ये खिलाड़ी मैच फिनिशर का रोल निभाता है ऐसे में ये औसत अच्छी है. साथ ही उनका स्ट्राइक रेट भी 136 से ज्यादा का है. कर्रन ने इसके अलावा 58 विकेट भी लिए हैं. ये खिलाड़ी अपनी स्विंग से पावरप्ले में विकेट लेने की काबिलियत रखता है.

सैम कर्रन को आईपीएल ऑक्शन में 16.10 करोड़ का नुकसान हो गया है. पिछले सीजन तक कर्रन हर साल 18.50 करोड़ रुपये मिलते थे लेकिन अब ये खिलाड़ी 16.10 करोड़ के नुकसान के साथ 2.40 करोड़ में ही बिका है. सैम कर्रन वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी हैं. साल 2022 में उन्होंने इंग्लैंड को टी20 वर्ल्ड कप जिताया था. वो प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे और इसीलिए उन्हें आईपीएल में बड़ी रकम मिली थी लेकिन फिर ऐसा क्या हुआ कि ये खिलाड़ी पैसों के मामले में धड़ाम से नीचे आ गिरा?

एडिलेड की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया

> दूसरे टेस्ट के लिए किया टीम का ऐलान
> टेस्ट डे-नाइट खेला जाएगा

एडिलेड.

पर्थ टेस्ट में जीतने के बाद अब टीम इंडिया का अगला टारगेट 6 दिसंबर से शुरू हो रहे एडिलेड टेस्ट है। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम में कुछ बदलाव होना तय है। सबसे बड़ी बात है कि यहां डे नाइट में टेस्ट मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार यह मुकाबला सुबह 9.30 शुरू होगा। ऑस्ट्रेलिया में डे-नाइट के खेल में भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी होती है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने भारतीय बल्लेबाजों ने पर्थ में काफी धैर्य दिखाया। यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, नीतीश कुमार रेड्डी, विराट कोहली ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन डे नाइट में भारतीय बैटर्स के सामने बिलकुल अलग चुनौती होगी।

डे-नाइट का टेस्ट पिंक बॉल से खेला जाता है। ऐसे में शाम के समय पिंक बॉल की विजिबिलिटी कम हो जाती है, जिससे बल्लेबाजी में कुछ हद तक मुश्किलें आती है। अगर पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिली तो यह भारत के लिए परेशानी बढ़ा सकता है। उस दौरान भारत को लगभग 1 घंटे तक धैर्य से बैटिंग करनी होगी। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी पर्थ टेस्ट में फ्लॉप रही थी। एडिलेड में कंगारू गेंदबाज जरूर अपनी गलतियों में सुधार करेंगे। इधर, जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में भारत की गेंदबाजी शानदार प्रदर्शन कर रही है। एडिलेड में भारतीय गेंदबाज अपना प्रदर्शन दोहरा सकते हैं।

टीम इंडिया में 2 बदलाव संभव

एडिलेड टेस्ट में भारतीय टीम में 2 बदलाव किए जाएंगे। रोहित शर्मा और शुबमन गिल का खेलना लगभग पक्का है। भारतीय प्लेइंग 11 से देवदत्त पड्डिकल की छुट्टी हो सकती है। हालांकि केएल राहुल को प्लेइंग 11 में रखा जा सकता है।

विश्व चैंपियनशिप की पहली बाजी लिरेन के नाम

सिंगापुर. भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को बाजी को बीच में अनावश्यक ढंग से जटिल बनाना भारी पड़ा, जिससे चीन के मौजूदा चैंपियन डिंग लिरेन ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में सोमवार को उन्हें हरा दिया। विश्व चैंपियन के सबसे युवा चैलेंजर 18 वर्ष के गुकेश ने शुरुआत में ही राजा के आगे वाले प्यादे को दो घर चलकर गलती कर दी।

इस तरह की चाल आक्रामक तेवर जताती है और लिरेन ने इसका जवाब 'फ्रेंच डिफेंस' से दिया। गुकेश ने वही रणनीति अपनाई जो विश्वनाथन आनंद ने 2001 में स्पेन के एलेक्सी शिरोव के विरुद्ध पहला विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने के समय अपनाई थी। गुकेश को 12वीं चाल तक आधे घंटे का फायदा था, लेकिन आठ चाल बाद लिरेन को अतिरिक्त मिनट मिले

जिससे साबित हो गया कि शुरुआत की अपनी दिक्कत से वह उबर चुके हैं।

बहुत लंबा रहा मैच

इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन करके काले मोहरों से खेलते हुए 42 चालों में जीत दर्ज की और 14 बाजियों के खेल में बढ़त बना ली। शुरुआत में पिछड़ने को लेकर गुकेश ने कहा, ये होता रहता है। यह बहुत लंबा मैच है और मेरे प्रतिद्वंद्वी की फार्म के बारे में, मुझे इससे अधिक कुछ भी उम्मीद नहीं थी।

पृथ्वी शॉ को लग गया 8 करोड़ का चूना

नई दिल्ली.

पृथ्वी शॉ को अपनी लापरवाही की कीमत चुकानी पड़ी है. उन्हें उसके चलते सजा भुगतनी पड़ी है. और, सजा भी ऐसी मिली कि 8 करोड़ रुपये का चूना ही लग गया. पृथ्वी शॉ का गुनाह क्या है? यही सोच रहे हैं ना आप. ये भी सोच रहे होंगे कि सजा क्या मिल गई? दरअसल, आईपीएल ऑक्शन में जिन वजहों से वो चर्चा में रहे हैं वही उनकी सजा है. गलती इतनी थी कि उन्होंने अपने खेल में लापरवाही बरती. फिटनेस पर ध्यान नहीं दिया और दिल्ली कैपिटल्स में मिले मौकों को अच्छे से भुनाया नहीं, जिसका खुलासा दिल्ली फ्रेंचाइजी से जुड़े रहे मोहम्मद कैफ ने भी किया है.

आईपीएल 2025 के ऑक्शन में चुनना तो दूर उन पर बोली तक नहीं लगाई. जी नहीं, दिल्ली कैपिटल्स ने भी नहीं, जिससे वो 2018 से लगातार जुड़े रहे थे. ऐसा

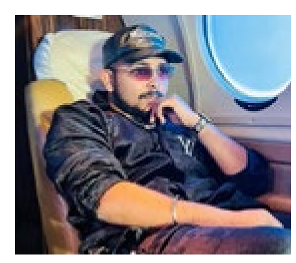

तब हुआ जब पृथ्वी शॉ ने अपनी बेस प्राइस सिर्फ 75 लाख रुपये रखी थी. अब इससे बड़ी शर्मिंदगी क्या होगी? इससे बड़ी सजा क्या होगी? किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी का हिस्सा नहीं बनने के चलते पृथ्वी शॉ को 8 करोड़ रुपये का चूना लगा है. ये वो रकम है जो पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स से उन्हें मिल रहे थे.

पृथ्वी शॉ के ऑक्शन में अनसोल्ड रहने को मोहम्मद कैफ ने उनके लिए शर्मिंदगी वाली बात बताई है.कैफ ने जियो सिनेमा से बात करते हुए कहा कि शर्म आनी चाहिए कि उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला. उन्होंने शॉ को लेकर तब के अनुभव शेयर किए जब वो दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग पैनल में होते थे. कैफ ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें काफी सपोर्ट किया है. वो इकलौते ऐसे प्लेयर हैं जो इस बात की शिकायत नहीं कर सकते कि उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला. कैफ ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स ने शॉ को प्लेइंग इलेवन में लगातार मौके दिए, इसके बावजूद भी वो टीम में अपनी जगह नहीं पक्की कर सके. कैफ ने इसे समझाने के लिए टीम सेलेक्शन से जुड़ा किस्सा भी बताया. उन्होंने कहा कि रात में हम डिसाइड करते थे कि पृथ्वी शॉ को प्लेइंग इलेवन में नहीं रखेंगे. लेकिन फिर अगले दिन मैच से पहले हमें अपना फैसला बदलना पड़ता था क्योंकि हम ये सोचते थे कि हो सकता है कि वो बड़ी पारी खेल जाएं. अगर वो चले तो फिर जीत भी पक्की. लेकिन इस उम्मीद पर वो कभी खरे नहीं उतरे.

भारत की जीत देख परेशान हुए वसीम अकरम

पर्थ.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में मिली 295 रनों की बड़ी जीत के बाद टीम इंडिया की चारो तरफ सराहना हो रही है. लोग बुमराह एंड कंपनी की लगातार तारीफ कर रहे हैं. देश में ही नहीं पड़ोसी देश पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर भी भारतीय टीम की खूब तारीफ कर रहे हैं. पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने तो टीम इंडिया की इस बड़ी जीत पर दिल जीत लेने वाला बयान दिया है. उनका कहना है,''मैंने पिछले 40 सालों में ऑस्ट्रेलिया में किसी दूसरी टीम को इतने दबदबे के साथ टेस्ट मैच जीतते हुए नहीं देखा था.''

वसीम अकरम की राय सही भी नजर आती है. पर्थ जैसी पिच पर आजतक बिरला ही टीमें मेजबान टीम को कड़ी टक्कर दे पाई हैं. यही वजह है कि बुमराह एंड कंपनी की पिछले मुकाबले

में मिली जीत को हर कोई सराह रहा है.

मैच के दौरान पहली पारी में 150 रन पर ऑल आउट हो जाने के बाद ब्लू टीम ने विपक्षी टीम को जिस तरह से महज 104 रनों पर ढेर कर दिया. वह काबिले तारीफ था. इसके बाद पहली पारी में फ्लॉप होने वाले भारतीय बल्लेबाजों का दूसरी पारी में जलवा देखने को मिला. टीम के लिए यशस्वी जायसवाल (161) और विराट कोहली (नाबाद 100) ने शतक लगाया. वहीं केएल राहुल (77) अर्धशतक लगाने में कामयाब रहे.

भारत की तरफ से दूसरी पारी में मिले 534 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए विपक्षी टीम अपनी दूसरी पारी में 238 रनों पर ढेर हो गई. पूरे मैच के दौरान केवल एक समय ऐसा लगा कि विपक्षी टीम की तरफ से कोई बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों का सामना कर पा रहा है.

यही कोई और नहीं ट्रेविस हेड थे. हेड ने दूसरी पारी में टीम के लिए छठवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए कुल 101 गेंदों का सामना किया. इस बीच 88.12 की स्ट्राइक रेट से 89 रन बनाने में कामयाब रहे. मगर इस उम्दा पारी के बावजूद वह टीम को जीत दिलाने में नाकामयाब रहे.

जसप्रीत बुमराह बने 'प्लेयर ऑफ द मैच'

मैच के दौरान उम्दा गेंदबाजी के लिए कैप्टन जसप्रीत बुमराह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया. उन्होंने ब्लू टीम के लिए पहली पारी में पांच, जबकि दूसरी पारी में कुल तीन विकेट चकाए.

बीसीसीआई ने की वैभव सूर्यवंशी की हड्डियों की जांच?

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन खत्म हो गया है. इस ऑक्शन में कई नए चेहरे छाए, जिनमें एक नाम बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी का भी रहा. 13 साल के वैभव आईपीएल इतिहास के सबसे छोटे करोड़पति बन चुके हैं. उन्हें 1.10 करोड़ रुपये में राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा है. मजेदार बात ये भी रही कि ऑक्शन में वैभव के लिए वही टीमें लड़ती दिखीं, जिन्होंने उनका ट्रायल लिया था. हालांकि, आखिर में उन्हें खरीदने की बाजी दिल्ली कैपिटल्स को हराकर राजस्थान ने अपने नाम की. अब सवाल है कि बीसीसीआई ने वैभव सूर्यवंशी की हड्डियों की जांच क्यों की?

13 साल के वैभव सूर्यवंशी लंबी कद-काठी के खिलाड़ी हैं. ऐसे में उन्हें देखकर उनकी उम्र को लेकर सवाल रहता है. ये सवाल लोगों के जहन में तब और गहरा गया जब साल 2023 में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि वो 27 सितंबर 2023 तक 14 साल के हो जाएंगे? बीसीसीआई ने उनकी बोन टेस्टिंग यानी हड्डियों की जांच की है.

वैभव सूर्यवंशी के कोच मनीष ओझा के मुताबिक बीसीसीआई को सर्टिफिकेट की एज से कोई मतलब नहीं होता. वो खिलाड़ी का मेडिकल टेस्ट कराती है. उसकी बोन टेस्टिंग कराकर उम्र का पता लगाती है और उसे ही मान्यता देती है. उनके मुताबिक, वैभव जब 9 साल के थे तब बीसीसीआई ने उनकी बोन टेस्टिंग की थी. बोन टेस्टिंग में उनकी उम्र एक साल ज्यादा यानी 10 साल 2 महीने या 4 महीने के करीब आई थी. उन्होंने बताया कि साल 2023 में वैभव ने जो इंटरव्यू में उम्र बताई थी वो बोन टेस्टिंग की उम्र के आधार पर ही बताई होगी.

टीम इंडिया के साथ गौतम गंभीर नहीं

नई दिल्ली.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की सरजमीं पर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मुकाबला जीतने वाली टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। बताया जा रहा है कि पर्थ टेस्ट में ऐतिहासिक जीत के बाद गौतम गंभीर निजी कारणों के चलते स्वदेश लौट आए हैं। माना जा रहा है कि उन्हें अचानक भारत वापस आना पड़ा है, क्योंकि पहले मुकाबले के बाद गंभीर की ओर से स्वदेश लौटने की कोई स्पष्ट योजना नहीं थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, टीम हेड कोच ने बीसीसीआई को अपनी वापसी

के बारे में सूचित किया और अनुमति मिलते ही भारत के लिए उड़ान भरी।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक गौतम गंभीर "व्यक्तिगत कारणों" के चलते वापस लौटे हैं और उनके ऑस्ट्रेलिया लौटने के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर ने बोर्ड को सूचित किया कि वह स्वदेश जाना चाहते हैं और एडिलेड में खेले जाने वाले पिंक बॉल दूसरे टेस्ट की शुरुआत से पहले टीम से जुड़ेंगे।

कैनबरा के लिए उड़ान भरेगी टीम इंडिया

बता दें कि भारतीय टीम आज कैनबरा के लिए उड़ान भरेगी। जहां वह दो दिवसीय गुलाबी गेंद का अभ्यास मैच खेलेगी और गौतम गंभीर उस मैच का भी हिस्सा नहीं होंगे। गंभीर 6 दिसंबर से एडिलेड टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे लेकिन सबसे बड़ा सवाल ये है कि उनकी अनुपस्थिति में टेस्ट के लिए भारतीय टीम कैसे अभ्यास करेगी?

एक-दूजे के हुए हॉकी खिलाड़ी नेहा गोयल और सुनील

सोनीपत.

भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर नेहा गोयल करनाल के राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी सुनील संग सात फेरे लेकर शादी के बंधन में बंध गईं। रविवार देर रात आयोजित शादी समारोह में हॉकी फेडरेशन के पदाधिकारियों के साथ ही पुरुष व महिला हॉकी टीम के अनेक खिलाड़ियों ने भी शिरकत की। शादी में पहुंचे पदाधिकारियों ने हॉकी में विश्व पटल पर छाने के बाद अब जिंदगी की नयी पारी शुरू करने जा रही नेहा गोयल को सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।मुरथल रोड स्थित उत्सव गार्डन में आयोजित शादी समारोह में हॉकी फेडरेशन के पदाधिकारियों के साथ ही अनेक ओलंपियन व अन्य खिलाड़ी पहुंचे। हॉकी इंडिया के सचिव भोलानाथ, भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच हरेंद्र सिंह, द्रोणाचार्य अवॉर्डी एवं भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान प्रीतम सिवाच, कुलदीप सिवाच सहित अन्य पदाधिकारियों ने नेहा को शादी की शुभकामनाएं दी। इस दौरान शादी समारोह में पहुंचे महिला व पुरुष हॉकी खिलाड़ियों ने

डीजे की धुन पर डांस भी किया।

खिलाड़ियों में ओलंपियन सुमित कुमार, भारतीय महिला हॉकी टीम की उप कप्तान नवनीत कौर, उदिता, सोनिका, निशा वारसी, महिमा चौधरी, शर्मिला, मणिपुर से भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान सुशीला चानू, ज्योति रूमावत व कनिका सिवाच ने शादी समारोह में पहुंच रंगत बढ़ाई और नेहा को बधाई दी।

नेहा गोयल ने कहा कि वह शादी के बाद भी खेलना जारी रखेंगी। आगे हॉकी इंडिया लीग है, उस पर फोकस करेंगी। उन्होंने कहा, 'एक दिसंबर से हमारा शिविर है। एशियाई खेल में गोल्ड जीतने का प्रयास रहेगा, ताकि ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर सकें।'

भड़क गए दिल्ली कैपिटल्स के मालिक

> गंवाना पड़ा मैच विनर

नई दिल्ली.

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में 10 टीम ने 182 खिलाड़ियों पर दो दिन में 639.15 करोड़ रुपये खर्च कर दिए। जेद्दा में दो दिन तक चली नीलामी में एक-एक खिलाड़ी के लिए तगड़ी लड़ाई देखने को मिली। ऑक्शन के दौरान कुछ ऐसे पल भी देखने को मिले, जिससे विवाद खड़ा हो गया। आईपीएल इतिहास की पहली महिला नीलामीकर्ता मल्लिका सागर के एक फैसले से दिल्ली कैपिटल्स के मालिक नाराज हो गए।

मेगा ऑक्शन के दूसरे दिन 19 साल के ओपनर स्वास्तिक चिकारा पर बोली के दौरान विवाद देखने को मिला। आरसीबी ने उनके लिए 30 लाख के बेस प्राइस पर शुरुआती पैडल जुटाया। ऐसा लगा कि उन्होंने बिना किसी कॉम्पिटिशन के खिलाड़ी को खरीद लिया। हालांकि, फौरन बाद दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमांग बदानी ने सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी टीम ने भी चिकारा के लिए पैडल उठाया था, लेकिन नीलामीकर्ता ने इसे नहीं देखा।

नीलामीकर्ता मल्लिका सागर ने स्वीकार किया कि नीलामी की तेज गति के कारण वह दिल्ली कैपिटल्स का पैडल देखने से चूक गईं। ऐसे में चिकारा अब आरसीबी के हो गए क्योंकि नीलामी के नियमों के अनुसार, यदि एक बार पैडल गिर जाता है तो उसे ही आखिरी बिड मान ली जाती है। दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक किरण ग्रांधी परिणाम से खुश नहीं थे और उन्होंने इस घटना पर खुलकर अपना गुस्सा और निराशा व्यक्त की। दिल्ली कैपिटल्स ने कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, ट्रिस्टन स्टब्स और अभिषेक पोरेल को बरकरार रखा। टीम ने जैक फ्रेजर मैकगुर्क को नौ करोड़ जबकि मुकेश कुमार को आठ करोड़ रुपये में आरटीएम के इस्तेमाल से फिर खरीदा जबकि केएल राहुल पर 14 करोड़ रुपये खर्च किए। पूरी उम्मीद है कि राहुल ही टीम के अगले कप्तान भी होंगे। दिल्ली ने श्रेयस अय्यर पर भी पूरा दांव लगाया था, लेकिन अंत में बाजी पंजाब किंग्स ने मार ली।

कोई बांग्लादेशी खिलाड़ी बिक न सका

जेद्दा.

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी विवादों में घिर गई है। कोई भी बांग्लादेशी क्रिकेटर टीम हासिल करने में कामयाब नहीं रहा, जिससे बांग्लादेश में प्रशंसक और क्रिकेट प्रेमी निराश हैं। शाकिब अल हसन, मुस्तफिजुर रहमान, मेहदी हसन मिराज और लिटन दास जैसे प्रमुख खिलाड़ी, आठ अन्य खिलाड़ियों के साथ, नीलामी सूची का हिस्सा होने के बावजूद नहीं बिके। अप्रत्याशित परिणाम ने आरोप-प्रत्यारोप का खेल शुरू कर दिया है, जिसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के खिलाफ पक्षपात के आरोप लगाए गए हैं।

इस बहिष्कार ने अटकलों को जन्म दिया है, कुछ लोगों ने बीसीसीआई पर आईपीएल फ्रेंचाइजी को बांग्लादेशी खिलाड़ियों से बचने का निर्देश देने का आरोप लगाया

है। क्रिकेट प्रेमी डॉ. मारूफ ने ट्वीट किया,आईपीएल 2025 में कोई बांग्लादेशी खिलाड़ी नहीं! अजीब! एक अन्य उपयोगकर्ता,अनिल ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी की,"वे पहले ही खुद को पाकिस्तान को बेच चुके हैं। आईपीएल में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व कर चुके शाकिब अल हसन जैसे क्रिकेटरों को इस बार कोई खरीदार नहीं मिला। इससे उनके फैन्स के बीच निराशा और बढ़ गई।

बता दें कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। ढाका में हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की हाल ही में गिरफ्तारी हुई है। इससे बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

यू मुंबा ने बेंगलुरू बुल्स को हराया

नोएडा. नोएडा इंडोर स्टेडियम में सोमवार को रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 76वें मैच में अंतिम 10 मिनट तक बेंगलुरू बुल्स जीत की स्थिति में दिख रहे थे लेकिन फिर मंजीत ने डिफेंस और फिर रेड में अंक लेकर मैच की तस्वीर बदल दी और फंसी हुई बाजी यू मुंबा के नाम कर दी। मुंबा ने यह मैच 34-32 के स्कोर से जीता और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। बुल्स की तारीफ करनी होगी क्योंकि 30 मिनट तक 11 अंकों से पिछड़ रही इस टीम ने 36वें मिनट तक जाते-जाते स्कोर बराबर कर लिया और फिर लीड भी ले ली लेकिन किस्मत ने उसका साथ नहीं दिया और अंतिम रेड पर डिफेंस की गलती के कारण मैच उसके हाथ से निकल गया। इस मैच को अगर आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो दोनों टीमें रेडिंग में 16-16 और डिफेंस में 12-12 अंक के साथ बराबरी पर रहीं।

गुकेश की खराब शुरुआत

पहले मुकाबले में डिंग लिरेन ने दी मात

नई दिल्ली.

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को बाजी के बीच में गैर जरूरी ढंग से जटिल बनाना भारी पड़ा, जिससे चीन के मौजूदा चैम्पियन डिंग लिरेन ने विश्व शतरंज चैंपियनशिप के पहले मुकाबले में सोमवार को उन्हें हरा दिया। विश्व चैंपियन के सबसे युवा चैलेंजर 18 वर्ष के

गुकेश ने शुरुआत में ही राजा के आगे वाले प्यादे को दो घर चलकर गलती कर दी। इस तरह की चाल आक्रामक तेवर जताती है और लिरेन ने इसका जवाब 'फ्रेंच डिफेंस' से दिया। गुकेश ने वही रणनीति अपनाई जो विश्वनाथन आनंद ने 2001 में स्पेन के एलेक्सी शिरोव के खिलाफ पहला विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने के समय अपनाई थी।

42 चालों में दर्ज की जीत

गुकेश को 12वीं चाल तक आधे घंटे का फायदा था लेकिन आठ चाल बाद लिरेन को अतिरिक्त मिनट मिले जिससे साबित हो गया कि शुरुआत की अपनी दिक्कत से वह उबर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन करके 42 चालों में जीत दर्ज की।

आइवरी कोस्ट की टीम महज 7 रन पर ढेर

> टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बना शर्मनाक रेकॉर्ड

नई दिल्ली. क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है, यहां नित नए रिकॉर्ड बनते और टूटते ही रहते हैं। ऐसा ही एक रोचक वाकया हुआ आइवरी कोस्ट और नाइजीरिया के बीच खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप सब रीजनल क्वालीफायर टूर्नामेंट में देखने को मिला। जब नाइजीरिया के 272 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आइवरी कोस्ट की पूरी टीम महज 7 रन पर ऑलआउट हो गई, जो कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम स्कोर है। हैरानी की बात तो यह है कि आइवरी कोस्ट की टीम नाइजीरिया के अतिरिक्त 23 रन से भी 16 रन पीछे रह गई। इस तरह नाइजीरिया ने यह मुकाबला 264 रन से अपने नाम कर लिया।

नाइजीरिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सेलिम सलाउ (112), सुलेमान

रनसेवे (50) और इसाक ओक्पे (नाबाद 65) की पारियों से नाइजीरिया ने 4 विकेट पर 271 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में आइवरी कोस्ट की टीम 7.3 ओवर में महज 7 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। बाएं हाथ के स्पिनर इसहाक दानलाडी और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रॉस्पर उसेनी ने क्रमशः तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा दाएं हाथ के तेज गेंदबाज पीटर अहो ने दो और सिल्वेस्टर ओक्पे ने एक विकेट लिया। आइवरी कोस्ट की ओर से 11 में से 7 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। टीम की ओर से सर्वाधिक 4 रन ओपनर औटारा मोहम्मद ने बनाए। इस तरह नाइजीरिया की टीम ने 264 रन के अंतर से मुकाबला अपने नाम कर लिया जो टी-20 इतिहास में रनों के लिहाज से तीसरी सबसे बड़ी जीत है।

भारत ही लोकतंत्र की जननी

> संविधान दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोलीं

नई दिल्ली।

संविधान दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यह देश के लिए सबसे पवित्र ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि भारत ही लोकतंत्र की जननी है। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा, आज के ही दिन संविधान निर्माण का बहुत बड़ा कार्य संपन्न हुआ। उस दिन हम भारत के लोगों ने एक संविधान को अपनाया और आत्मसात किया। हमारा संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। हमारी सामूहिक और व्यक्तिगत स्वाभिमान को सुनिश्चित करता है। आज कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से मैं संविधान सभा के सदस्यों को श्रद्धांजलि देती हूं। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ.राजेंद्र प्रसाद और डॉ.बाबासाहब आंबेडकर ने संविधान निर्माण का मार्गदर्शन किया। उन्होंने समावेशी सोच की छाप हमारे संविधान में अंकित किया।

उन्होंने कहा, स्पष्ट होता है कि भारत लोकतंत्र की जननी है। आपने लोकतंत्र को गौरव की इसी भावना के साथ इस विसेष अवसर पर एकत्र हुए हैं. यह अवसर संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों को याद करने का भी है। उन अधिकारियों के अमूल्य योगदान को भी याद करना चाहिए जिन्होंने नेपथ्य में रहकर काम किया। उनमें प्रमुख भूमिका बीएम राव की थी जो संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार थे।

राष्ट्रपति ने कहा स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने पर सभी देशवासियों ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया है। आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ मनाएंगे। ऐसे समारोह हमारी एकता को मजबूत बनाने की और यह दर्शाते हैं कि राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में हम एक साथ हैं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान विभूतियों ने आदर्श रेखांकित किया। संविधान सभा में सभी प्रांतों और क्षेत्रों की प्रतिनिधित्व से अखिल भारतीय चेतना को बल मिला है।

समारोह में जिन पुस्तकों का विमोचन किया गया तथा जो शॉर्ट फिल्म दिखाई गई उनमें संविधान निर्माण के गौरव के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा। भारत का संविधान मेधावी लोगों द्वारा तीन वर्ष के विचार विमर्श का परिणाम था। यह हमारे लंबे स्वतंत्रता संग्राम का परिणाम था। उन आदर्शों को संविधान की प्रस्तावना में व्यक्ति किया है। ये आदर्श, न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व है। इसमें उल्लिखिति आदर्श एक दूसरे के पूरक हैं और ऐसा वातावरण उपलब्ध करवाते हैं जिससे नागरिकों को समाज में योगदान देने का अवसर मिलता है।

दूसरी बार खतरे में पड़ जाएगी हमारी आजादी: धनखड़

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को याद करते हुए कहा कि अगर पार्टियां पंथ को देश से ऊपर रखती हैं तो हमारी स्वतंत्रता दूसरी बार खतरे में पड़ जाएगी। संविधान को अंगीकार किए जाने की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर साल भर चलने वाले समारोहों की शुरुआत के लिए पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने आगाह किया कि रणनीति के तहत व्यवधान पैदा करना लोकतंत्र के लिए खतरा है।

राम मंदिर की वर्षगांठ की बदली तारीख

अयोध्या।

अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ अब हर साल हिंदू पंचांग के अनुसार मनाई जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने घोषणा की है कि 22 जनवरी की बजाय यह उत्सव हिंदू तिथि पौष शुक्ल द्वादशी को मनाया जाएगा, जिसे प्रतिष्ठा द्वादशी भी कहा जाएगा।

वर्ष 2025 में यह तिथि 11 जनवरी को पड़ेगी. इस निर्णय के साथ मंदिर परिसर से जुड़े कई अन्य अहम फैसले भी लिए गए।

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने निर्णय लिया है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ हर साल हिंदू पंचांग के अनुसार मनाई जाएगी. इस वर्ष यह तिथि 11 जनवरी 2025 को पौष शुक्ल द्वादशी (कूर्म द्वादशी) के दिन पड़ेगी. बता दें कि इससे पहले, प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 22 जनवरी 2024 थी. बता दें कि पिछले साल 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था.

बैठक में मंदिर परिसर में यात्री सेवा केंद्र के पास 3000 वर्ग मीटर क्षेत्र में अपोलो हॉस्पिटल, दिल्ली द्वारा अत्याधुनिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जाएगा. यह पहल श्रद्धालुओं को आपातकालीन और उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है.

परिसर के दक्षिणी हिस्से में 500 लोगों के बैठने की क्षमता वाले प्रेक्षागृह, अतिथि समागम स्थल और ट्रस्ट कार्यालय का निर्माण होगा, इस परियोजना का शुभारंभ महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज ने शिलापट्ट का अनावरण कर किया.

गर्मी और वर्षा से बचाने के लिए मंदिर परिसर में पहले अस्थायी जर्मन हैंगर लगाए गए थे. अब 9 मीटर चौड़े और 600 मीटर लंबे स्थायी शेड का निर्माण होगा, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी.

कांग्रेस ने शुरू किया 'संविधान रक्षक अभियान'

नई दिल्ली।

विधान दिवस के अवसर पर कांग्रेस पार्टी ने देशभर में 60 दिनों तक चलने वाले 'संविधान रक्षक अभियान' की शुरुआत की है। यह अभियान 26 नवंबर से 26 जनवरी तक चलेगा। इसका उद्देश्य संविधान की मूल भावना की रक्षा करना, सामाजिक समानता को बढ़ावा देना और आरक्षण जैसे संवैधानिक अधिकारों को संरक्षित करना है।

पार्टी के अनुसार कांग्रेस पार्टी ने 'संविधान रक्षक अभियान' के माध्यम से संविधान की मूल भावना को हर नागरिक तक पहुंचाने और उसकी रक्षा के लिए जनता को जागरूक करने का बीड़ा उठाया है। यह अभियान केवल राजनीतिक पहल नहीं है, बल्कि देश के हर नागरिक को उसके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने की कोशिश है। 'संविधान रक्षक अभियान' देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने और संविधान के आदर्शों को जीवित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संविधान दिवस के इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी

का यह प्रयास देश में समानता, न्याय और स्वतंत्रता के मूल्यों को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

कांग्रेस का ये अभियान 26 जनवरी 2025 तक चलेगा. इस कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे. इस अभियान के जरिये कांग्रेस देश में सामाजिक न्याय, समानता और जाति जनगणना की मांग को प्रमुखता से उठाएगी। भारत जोड़ो संविधान अभियान कांग्रेस के एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसके तहत विभिन्न स्थानों पर संगोष्ठियों का आयोजन कर लोगों को भाजपा की नीतियों के खिलाफ जागरूक किया जाएगा।

स्कूलों में कानूनी शिक्षा होगी अनिवार्य!

> सुको ने केंद्र को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने स्कूली पाठ्यक्रम में कानूनी शिक्षा और आत्मरक्षा प्रशिक्षण को अनिवार्य के निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य से जवाब मांगा। इस मामले में सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर याचिका पर जवाब मांगा है। दिल्ली की गीता रानी ने याचिका में कहा है कि प्रत्येक नागरिक के लिए मौलिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए बुनियादी कानूनों को समझना आवश्यक है। मौलिक अधिकारों की गारंटी संविधान ने दे रखी है।

याचिका में कहा गया है, शैक्षणिक पाठ्यक्रम में बुनियादी कानूनी शिक्षा को शामिल करना और स्कूल स्तर पर आत्मरक्षा का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चे किसी भी प्रतिकूल स्थिति में आत्मरक्षा कर सकें।

एनसीआरबी रिपोर्ट में 2022 में बच्चों के खिलाफ अपराध के 1.62 लाख मामले दर्ज किए गए। कानूनी शिक्षा और आत्मरक्षा के प्रशिक्षण से अपराध रोकने और बच्चों को हिंसा से बचाने में मदद मिलेगी।

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में, भारत बच्चों को सभी प्रकार की हिंसा और दुर्व्यवहार से बचाने के लिए बाध्य है। याचिका में दावा किया कि कई घटनाओं में पीड़ित, मुख्य रूप से बच्चे, आत्मरक्षा कौशल की कमी के कारण अपना बचाव नहीं कर सके।

बच्चों में अधिकारों की समझ बढ़ेगी

कानूनी साक्षरता से अधिकारों की समझ बढ़ेगी, बच्चों को अवैध गतिविधियों से बचने और जरूरत पड़ने पर सहायता लेने में मदद मिलेगी। यह कदम विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को खुद की सुरक्षा करना सिखाकर और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाकर सशक्त बनाएगा।

सुनीता के सामने अंतरिक्ष में आई नई मुसीबत

वाशिंग्टन।

सुनीता विलियम्स के लिए मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं सामने आई थीं। अब सुनीता और उनके साथियों ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में एक अजीब तरह की बदबू महसूस की है। यह बदबू उन्होंने स्पेस स्टेशन पर खड़े किए गए कार्गो स्पेसक्राफ्ट में महसूस की है। सुनीता ने इसके बारे में नासा को भी बताया है। इसके बाद क्रू मेम्बर्स और ग्राउंड कंट्रोल इसको लेकर तत्काल ऐक्शन में आ गए। स्पेस स्टेशन के क्रू की रिपोर्ट पर स्टैंडर्ड सेफ्टी प्रोटोकॉल्स को फॉलो करते हुए जमीन के फाइट कंट्रोलर्स ने तत्काल हवा साफ करने वाले उपकरण को चालू किया।

नासा के अधिकारियों ने यह भी बताया है कि असल में यह बदबू आ कहां से रही थी। इसके मुताबिक यह बदबू कार्गो स्पेसक्राफ्ट से आ रही थी।

इसके पीछे की वजह को आटगैसिंग कहा जाता है। यह अंतरिक्ष में होने वाली एक सामान्य घटना है। जानकारी के मुताबिक ऐसा तब होता है जब अंतरिक्ष में खाली जगह या किसी दबाव में सामानों के बीच में फंसी हुई गैस निकलती है।

रूस ने ब्रिटेन राजदूत को देश से निकाला

मॉस्को।

यूक्रेन से जंग के बीच रूस ने एक बड़ा कदम उठाया गया है। रूस ने ब्रिटेन के राजदूत को देश से निकाल दिया गया है। बताया जाता है कि यह कदम जासूसी के आरोप में उठाया गया है। यह जानकारी रूस की एफबीबी सुरक्षा सेवा के हवाले से दी गई है। तास समाचार एजेंसी के मुताबिक रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखरोवा ने बताया कि ब्रिटिश राजदूत को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

सरकारी समाचार एजेंसियों के अनुसार एफएसबी सुरक्षा सेवा ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि राजनयिक ने खुफिया और विस्फोटक गतिविधियों को अंजाम दिया है। इसके मुताबिक रूस में प्रवेश की अनुमति हासिल करते समय उन्होंने जानबूझकर गलत जानकारी मुहैया कराई। यह रूसी कानून का उल्लंघन है। हालांकि इस मामले में ब्रिटिश विदेश मंत्रालय या मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास से अभी कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है।

गौरतलब है कि साल 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद से ही ब्रिटेन और रूस के संबंध खराब चल रहे हैं। पिछले हफ्ते ही ब्रिटेन ने यूक्रेन से प्रतिबंध हटाया है।

इसके बाद यूक्रेन रूस पर ब्रिटेन से मिली स्टॉर्म शैडो वाली मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है। वहीं, यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से ही राजनयिकों को हटाने का सिलसिला आम हो गया है।

चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी ने पकड़ा तूल

ढाका।

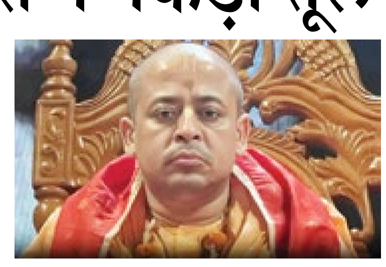

बांग्लादेश में हिंदू नेता व इस्कॉन प्रमुख श्री चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर भारत ने अपनी चिंता जताते हुए हिंदुओं पर हमले का मामला उठाया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और जमानत से इनकार किए जाने पर गहरी चिंता है। हम बांग्लादेश में हिंदू नेता की गिरफ्तारी के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर भी चिंता जताते हैं। हिंदू नेता की गिरफ्तारी पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम बांग्लादेश के अधिकारियों से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं।

बता दें कि बांग्लादेश की एक अदालत ने मंगलवार को हिंदू संगठन 'सम्मिलित सनातनी जोत' के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया। बीडीन्यूज24 डॉट कॉम के अनुसार, चट्टगांव के छठे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट काजी शरीफुल इस्लाम की अदालत ने मंगलवार पूर्वाह्न करीब 11:45 बजे यह आदेश सुनाया। समाचार पोर्टल ने बताया कि हिंदू पुजारी को जमानत नहीं मिलने पर उनके अनुयायियों ने अदालत परिसर में नारे लगाने शुरू कर दिए।

बांग्लादेश पुलिस ने सोमवार को दास को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया था। पुलिस की जासूसी शाखा के प्रवक्ता रिजाउल करीम ने कहा, दास को नियमित पुलिस के अनुरोध के अनुसार हिरासत में लिया गया। हालांकि, आरोपों का ब्योरा दिए बिना गिरफ्तारी की गई। सनातनी जागरण जोत के प्रमुख संयोजक गौरांग दास ब्रह्मचारी के हवाले से बीडीन्यूज24 समाचार पोर्टल ने सोमवार को कहा कि दास को ढाका से हवाई मार्ग से चट्टगांव जाना था।

उल्फा पर 5 साल के लिए बढ़ा प्रतिबंध

नई दिल्ली. असम को भारत से अलग करने के उद्देश्य से काम करने के साथ ही बरन वसूली और हिंसा के लिए उग्रवादी समूहों के साथ संबंध बनाए रखने की वजह से यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) केंद्र सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है. सरकार ने सोमवार को उल्फा पर लगे प्रतिबंध को और पांच साल के लिए बढ़ा दिया है.

उल्फा को पहली बार 1990 में प्रतिबंधित संगठन घोषित किया गया था और तब से प्रतिबंध को समय-समय पर बढ़ाया जाता रहा है.

ऐसे में एक बार फिर से प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया गया है. केंद्र का ये फैसला उल्फा संगठन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है.

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा है कि उल्फा अपने सभी गुटों, शाखाओं और संगठनों के साथ ऐसी गतिविधियों में शामिल रहा है, जो भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए खतरा हैं.

इसमें कहा गया है कि उल्फा ने असम को भारत से अलग करने के अपने उद्देश्य की घोषणा की है, अपने संगठन के लिए लगातार धन की उगाही कर रहा है और जबरन वसूली और हिंसा के लिए उग्रवादी समूहों के साथ संबंध बनाए हुए है.

उत्तर भारत में पड़ेगी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली।

दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में ठंड ने दस्तक दे दी है। सुबह और शाम के मौसम में तापमान में काफी गिरावट देखी जा रही है। पूरे उत्तर भारत का मौसम बदल रहा है और जल्द ही कड़ाके की सर्दी पड़ने वाली है।

उत्तर प्रदेश की अगर बात करें तो वहां अगले दो दिनों में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। राज्य में सुबह और शाम कोहरा छाए रहने की संभावना है। साथ ही, तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, अफगानिस्तान की ओर से आ रहे एक पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर प्रदेश में बदलाव देखने को मिलेंगे। इस विक्षोभ के कारण राज्य में हवा का रुख बदल जाएगा। हवा के रुख बदलने से तापमान में गिरावट होगी और कोहरा छाएगा।

बिहार में धीरे-धीरे ठंड बढ़ रही है। हालांकि, अभी तक कड़ाके की सर्दी का अनुभव नहीं हुआ है। सुबह और शाम के समय ठंड का एहसास होना आम बात हो गई है। दिन में धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिलती है। ठंड के साथ-साथ कई जिलों में सुबह के समय कोहरा भी छा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में ठंड में और बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में 26-30 नवंबर के दौरान सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

जंग का मैदान बना इस्लामाबाद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में रविवार से लेकर अब तक बवाल जारी है। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हजारों समर्थक रोज के बाद भी इस्लामाबाद में घुस आए। उन्हें रोकने के लिए पुलिस प्रशासन और पाकिस्तानी सेना के रेंजर्स ने फायरिंग भी की है, जिसमें दो लोग मारे गए। यही नहीं पाकिस्तानी पंजाब की सरकार का दावा है कि इमरान खान समर्थकों के हमले में 4 सैनिक और एक पुलिसकर्मी भी मारा गया है। दरअसल खैबर पख्तूनख्वा, सिंध, पंजाब से हजारों की संख्या में रविवार से ही लोग इस्लामाबाद पहुंच रहे थे। इन लोगों का नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंदापुर कर रहे हैं।

पूरे पाकिस्तान से आए इमरान खान समर्थकों की मांग है कि पूर्व प्रधानमंत्री को जेल से रिहा किया जाए। इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी तोशाखाना समेत कई मामलों में जेल में बंद हैं।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने इमरान खान समर्थकों पर आरोप लगाया कि वे बवाल कर रहे हैं और सुरक्षाकर्मियों तक पर हमले कर रहे हैं। वहीं बिलावल भुट्टो ने इमरान खान के समर्थकों पर आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया।

महाराणा प्रताप के वंशजों में विवाद

> सिटी पैलेस में पथराव, सरकार ने लगाया रिसीवर

उदयपुर.

राजस्थान में महाराणा प्रताप के वंशजों के बीच राजगद्दी का विवाद गहरा गया है। विश्वराज सिंह के राजतिलक के बाद उदयपुर में सिटी पैलेस के बाहर स्थिति सोमवार देर रात तक तनावपूर्ण बनी रही, जहां विश्वराज सिंह और उनके समर्थकों को प्रवेश नहीं करने दिया गया।

देर रात सिटी पैलेस के अंदर से पथराव हुआ। प्रशासन ने सिटी पैलेस के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। मौजूदा हालात को देखते हुए स्थानीय पुलिस ने सिटी पैलेस में बड़ी पोल से धूणी और जनाना महल तक के विवादित क्षेत्र के लिए रिसीवर नियुक्त करने के लिए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट भेजी है।

उदयपुर जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल ने कहा, "कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। महल के प्रतिनिधियों के साथ-साथ समाज के प्रतिनिधियों से भी बातचीत चल रही है।

हम कुछ मुद्दों पर सहमत हो गए हैं, जबकि कुछ अन्य के लिए बातचीत अभी भी जारी है।

जिला प्रशासन ने धूणी माता मंदिर के विवादित स्थल को रिसीवरशिप में लेने की दिशा में कदम बढ़ाया है। अगर दोनों में से कोई भी समूह मामला दर्ज कराना चाहता है, तो वह दर्ज किया जाएगा।

सोमवार को उदयपुर के राजपरिवार के वारिस के तौर पर विश्वराज का राजतिलक किया गया। इसके बाद से यहां स्थिति बिगड़ गई। राजतिलक के बाद विश्वराज सिंह को धूणी माता मंदिर सिटी पैलेस में दर्शन के लिए जाना था लेकिन राजपरिवार के बीच विवाद के चलते यहां स्थिति बिगड़ गई। विश्वराज के पिता महेंद्र सिंह मेवाड़ का इस महीने के शुरू में निधन हो गया था।

विश्वराज को गद्दी पर बैठाने की रस्म चित्तौड़गढ़ किले के फतह प्रकाश महल में आयोजित की गई थी और इसमें कई राजपरिवारों के प्रमुख शामिल हुए थे। हालांकि महेंद्र सिंह और उनके अलग हुए छोटे भाई अरविंद सिंह मेवाड़ के बीच चल रहे विवाद के कारण यह कार्यक्रम विवादों में आ गया था।

जंग का मैदान बना इस्लामाबाद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में रविवार से लेकर अब तक बवाल जारी है। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हजारों समर्थक रोज के बाद भी इस्लामाबाद में घुस आए। उन्हें रोकने के लिए पुलिस प्रशासन और पाकिस्तानी सेना के रेंजर्स ने फायरिंग भी की है, जिसमें दो लोग मारे गए। यही नहीं पाकिस्तानी पंजाब की सरकार का दावा है कि इमरान खान समर्थकों के हमले में 4 सैनिक और एक पुलिसकर्मी भी मारा गया है। दरअसल खैबर पख्तूनख्वा, सिंध, पंजाब से हजारों की संख्या में रविवार से ही लोग इस्लामाबाद पहुंच रहे थे। इन लोगों का नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंदापुर कर रहे हैं। पूरे पाकिस्तान से आए इमरान खान समर्थकों की मांग है कि पूर्व प्रधानमंत्री को जेल से रिहा किया जाए। इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी तोशाखाना समेत कई मामलों में जेल में बंद हैं। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने इमरान खान समर्थकों पर आरोप लगाया कि वे बवाल कर रहे हैं और सुरक्षाकर्मियों तक पर हमले कर रहे हैं।

केंद्र सरकार ने किसानों को दी बड़ी सौगात

> इन रेलवे प्रोजेक्ट को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सोमवार को एग्रीकल्चर, इनोवेशन, एजुकेशन, एनर्जी और बुनियादी ढांचे से संबंधित कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी। इन फैसलों का उद्देश्य सतत विकास को बढ़ावा देना, उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों तक पहुंच को बढ़ाना है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को प्रमुख फैसलों की जानकारी दी।

कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के शुभारंभ को मंजूरी दे दी है, जो कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र केंद्र प्रायोजित योजना है। 2,481 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, इस मिशन का उद्देश्य रसायन मुक्त कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल खेती के तरीकों को सुनिश्चित करना है।

इनोवेशन को बढ़ावा देने की दिशा में कैबिनेट ने 31 मार्च, 2028 तक कार्यान्वयन के लिए 2,750 करोड़ रुपये के बजट के साथ एआईएम 2.0 को हरी झंडी दे दी.

यह पहल स्टार्टअप, अनुसंधान और विकास का समर्थन करके भारत के उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करेगी. कैबिनेट ने पैन 2.0 को भी मंजूरी दी, जिसमें स्थायी खाता संख्या (पैन) जारी करने के लिए एक डिजिटल और कागज रहित प्रक्रिया और एक शिकायत निवारण तंत्र पर जोर दिया गया, जिससे प्रणाली अधिक कुशल और उपयोगकर्ता के अनुकूल बन गई।

शैक्षणिक संसाधनों तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के लिए, मंत्रिमंडल ने वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना शुरू की, जो एक केंद्रीय पहल है जिसका उद्देश्य विद्वानों के शोध लेखों और पत्रिकाओं तक राष्ट्रव्यापी पहुंच बढ़ाना है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि 6,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह योजना विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त पत्रिकाओं की सदस्यता को समेकित करेगी, जिससे वे पूरे भारत में शैक्षणिक संस्थानों के लिए सुलभ हो सकेंगी. उन्होंने कहा, इस निर्णय से छात्रों और शोधकर्ताओं को बिना किसी लागत के उच्च गुणवत्ता वाले संसाधन उपलब्ध कराकर बहुत लाभ होगा।

अरुणाचल प्रदेश में हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट

मंत्रिमंडल ने अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में 240 मेगावाट की हेओ जलविद्युत परियोजना के लिए निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 1,939 करोड़ रुपये के परिव्यय और 50 महीने की पूर्ण अवधि वाली इस परियोजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में बिजली उत्पादन क्षमता को बढ़ाना है।

रेलवे कनेक्टिविटी होगी बेहतर

कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए कैबिनेट ने 7,927 करोड़ रुपये की संयुक्त लागत वाली तीन मल्टीट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं से यात्रा आसान होने, लॉजिस्टिक लागत कम होने, तेल आयात कम होने और सीओ2 उत्सर्जन में कटौती होने की उम्मीद है, जिससे अधिक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल रेल नेटवर्क बनाने में मदद मिलेगी।